Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 334
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 09 दिसम्बर, 2025

# मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष सैनिकों के ....

4 हिंदू विकास दर' का मिथक ध्वस्त' – वैश्विक ..

7 पेनल्टी शूटआउट में एफसी गोवा की ...

## संक्षिप्त न्यूज

### वंदे मातरम पर चर्चा से डरती है कांग्रेस, अनुराग ठाकुर ने संसद में राहुल-प्रियंका पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन में शामिल नहीं होने के लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की आलोचना की और कहा कि गांधी परिवार वंदे मातरम पर चर्चा करने से डरता है। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान संसद के निचले सदन को संबोधित करते हुए, अनुराग ठाकुर ने पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनका संबोधन आने वाली पीढ़ी के लिए एक ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में काम करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत की। वंदे मातरम के 100वें वर्षगांठ वर्ष में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया और संविधान की धज्जियाँ उड़ा दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में वंदे मातरम के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को सामने रखा। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बनेगा, जो बताएगा कि कैसे वंदे मातरम ने राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोया।

वंदे मातरम की सराहना करते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि यह राष्ट्र की आत्मा का गीत है और एक 'महामंत्र' है। उन्होंने सदन में कहा कि यह सिर्फ़ एक गीत नहीं, बल्कि एक महामंत्र है। यह किसी धर्म, व्यक्ति या राज्य का गीत नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा, गौरव और आकांक्षाओं का गीत है। यह राष्ट्र प्रेम की परंपरा है, इसीलिए कांग्रेस इससे डरती है। वे इतने डरे हुए हैं कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने चर्चा शुरू की, तो इतने लंबे समय तक शासन करने वाले परिवार के दो सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आज लोकसभा में दिया गया भाषण एक ऐतिहासिक दस्तावेज़ बन गया है जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा।

# लोकसभा में गूंजा वंदे मातरम; ओम बिरला बोले- भारत की आत्मा, संस्कृति और शक्ति का शाश्वत प्रतीक

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय गीत पर एक दिवसीय विशेष चर्चा आयोजित की गई। सदन के प्रारंभ में स्पीकर ओम बिरला ने वंदे मातरम को भारत की आत्मा, एकता, संस्कृति और अदम्य शक्ति का जीवंत प्रतिबिंब बताया। ओम बिरला ने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत आज भी हर भारतीय के हृदय में गहराई से बसता है। उन्होंने कहा इसके हर शब्द में भारत की प्रकृति, मातृत्व, सौंदर्य और शक्ति की अद्वितीय एकता झलकती है।

**नए भारत की पीढ़ियों तक पहुंचानी होगी इसकी प्रेरक ऊर्जा- ओम बिरला**

स्पीकर ओम बिरला ने याद दिलाया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वंदे मातरम ने करोड़ों भारतीयों में आजादी का सपना जगाया और असंख्य क्रांतिकारियों ने फांसी और अत्याचारों का सामना करते हुए भी इस गीत को अपना संबल बनाया। सदन में मेज थपथपाकर सदस्यों ने इस ऐतिहासिक चर्चा का स्वागत किया। ओम बिरला

ने कहा कि यह बहस सिर्फ एक औपचारिक चर्चा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक स्मृति और राष्ट्रभावना को जागृत करने का अवसर है।

उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि सांसदों के विचार इस चर्चा को सत्र का ऐतिहासिक अध्याय बनाएंगे और वंदे मातरम की ऊर्जा नई पीढ़ी तक और अधिक प्रभाव के साथ पहुंचेगी। सदन में नेताओं ने इस गीत की ऐतिहासिक यात्रा, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका और आधुनिक भारत के लिए इसके संदेश पर अपने विचार रखे।

**'नेहरू और कांग्रेस के नाम का बार-बार जिक्र किया'**

लोकसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर चर्चा हुई। इस चर्चा के दौरान, सदन में कांग्रेस के डिप्टी लीडर गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की यह आदत है कि जब भी वह किसी मुद्दे पर बोलते हैं तो भारत के पहले प्रधानमंत्री नेहरू और कांग्रेस का जिक्र करते रहते हैं। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान उन्होंने नेहरू का नाम 14 बार और कांग्रेस का नाम 50 बार लिया। जब संविधान की 75वीं सालगिरह पर चर्चा हुई, तो नेहरू का नाम 10 बार और कांग्रेस का नाम 26 बार लिया गया।'

## वांगचुक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी की मांग की, केंद्र ने जताई आपत्ति; 15 तक फिर टला मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश होने की मांग पर केंद्र सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है। वांगचुक फिलहाल जोधपुर जेल में नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) के तहत बंद हैं। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 15 दिसंबर तक स्थगित कर दी।

जलवायु कार्यकर्ता वांगचुक की पत्नी गीतेजलि जे आंगमो ने याचिका दायर कर कहा है कि उनकी गिरफ्तारी पूरी तरह अवैध और मनमानी है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि वांगचुक जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर जुड़े रहना चाहते हैं। लेकिन केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि ऐसा करने से देशभर के सभी बंदियों को समान सुविधा देनी पड़ेगी, इसलिए यह अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

**सरकार और अदालत की कार्रवाई**

अदालत ने केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब दाखिल करने के लिए पहले भी समय दिया था। 24 नवंबर को भी केंद्र ने अतिरिक्त समय मांगा था, जिसके बाद सुनवाई टल गई थी। 29 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने आंगमो की संशोधित याचिका पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। अब कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी।

**हिंसा के बाद एनएसए में गिरफ्तारी**

सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। इससे दो दिन पहले लद्दाख में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों में हिंसा भड़क गई थी। इन झड़पों में चार लोगों की मौत

हुई थी और 90 लोग घायल हुए थे। सरकार का आरोप है कि वांगचुक ने माहौल भड़काया, जबकि परिवार का दावा है कि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

**पत्नी आंगमो के आरोप**

आंगमो की याचिका में कहा गया है कि गिरफ्तारी पुराने एफआईआर, अस्पष्ट आरोपों और बिना किसी ठोस प्रमाण के आधार पर की गई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि यह गिरफ्तारी संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन है और सत्ता का दुरुपयोग है।

## 1 करोड़ के इनामी नक्सली रामधेर मज्जी ने गिरोह के साथ किया सरेंडर, MMC ज़ोन हुआ नक्सल मुक्त

कुख्यात नक्सली कमांडर और सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) रामधर मज्जी ने सोमवार को अपने ग्रुप के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसे हिडमा जैसा ही माना जाता था। उस पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। मज्जी ने छत्तीसगढ़ बकर कट्टा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। एमएमसी ज़ोन में सक्रिय सीसी (सेंट्रल कमेटी) सदस्य मज्जी अपने डिवीजनल कमेटी सदस्यों के साथ पहुँचे और एके-47 राइफल सहित हथियार डाल दिए। उनके साथ, एसीएम रामसिंह दादा और एसीएम सुकेश पोट्टम ने भी अपने हथियार सौंपकर आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस ने एके-47, इंसास राइफल, एसएलआर, .303 राइफल और 0.30 कार्बाइन सहित हथियारों का एक बड़ा

जखीरा बरामद होने की पुष्टि की है। आत्मसमर्पण करने वालों में छह महिला कार्यकर्ता भी शामिल थीं, जो माओवादी आंदोलन में महिलाओं की गहरी भागीदारी को उजागर करता है। इस सूची में लक्ष्मी, शीला, योगिता, कविता और सागर के साथ-साथ डीवीसीएम (डिवीजनल कमेटी सदस्य) ललिता और डीवीसीएम जानकी भी शामिल हैं। अन्य प्रमुख नामों में डीवीसीएम चंदू उसेंडी और डीवीसीएम प्रेम शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि उनके आत्मसमर्पण से क्षेत्र में माओवादी नेटवर्क को करारा झटका लगा है। पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया है कि यह समूह महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ विशेष क्षेत्रीय समिति क्षेत्र में सक्रिय था, जहाँ वे अपनी गतिविधियाँ संचालित करते थे और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए लगातार खतरा पैदा करते थे।

## बीएपीएस संस्था के प्रमुख स्वामी महाराज ने नर में नारायण को देखने का सिद्धांत साकार किया : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां कहा कि बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के प्रमुख स्वामी महाराज ने भक्ति और सेवा को जोड़ा और नर में नारायण को देखने के वैदिक सिद्धांत को साकार किया।

बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था द्वारा आयोजित प्रमुख वर्णी अमृत महोत्सव में अपने संबोधन के दौरान शाह ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज ने आध्यात्मिकता एवं वैष्णव दर्शन को व्यापक और व्यावहारिक बनाया।

शाह ने कहा, ''प्रमुख स्वामी महाराज ने भक्ति और सेवा को जोड़ा और नर में नारायण के वैदिक सिद्धांत को साकार किया। कर्म और करुणा के माध्यम से

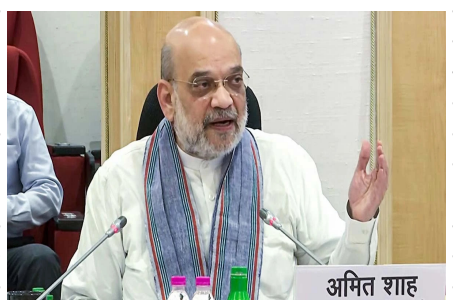

अमित शाह

प्रमुख स्वामी महाराज ने दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने की प्राचीन ऋषि संस्कृति को पुनर्जीवित किया। इसके साथ ही उन्होंने संपूर्ण सनातन धर्म के लिए एक महान कार्य किया। उन्होंने बिना कोई विशिष्ट शिक्षा दिए ही सनातन धर्म के विभिन्न संप्रदायों में संतत्व का सार स्थापित किया।''

तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन यहां साबरमती रिवरफ्रंट पर 2025 में प्रमुख स्वामी महाराज की बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम संस्था (बीएपीएस) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया है। कार्यक्रम में शाह के अलावा, बीएपीएस प्रमुख महंत स्वामी महाराज और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित थे

## नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस ने किया सस्पेंड, लगाए थे भ्रष्टाचार के आरोप

चड़ीगढ़। नवजोत कौर सिद्धू को उनके विवादास्पद बयान के बाद कांग्रेस पार्टी से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह सिद्धू के उस विवादित बयान के कुछ ही घंटों बाद हुआ है जिसमें उन्होंने कहा था कि जो 500 करोड़ रुपये का सूटकेस देता है, वह पंजाब का मुख्यमंत्री बन जाता है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगाए। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी कौर ने शनिवार को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा हम हमेशा पंजाब और पंजाबियत की बात करते हैं...लेकिन हमारे पास 500 करोड़ रुपये नहीं हैं जो हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के लिए दे सकें।

सिद्धू पर बात करते हुए नवजोत कौर ने दावा किया कि सिद्धू का कांग्रेस के प्रति लगाव तो बहुत है लेकिन उन्हें कभी मुख्यमंत्री पद नहीं मिलेगा।

मीडिया ने सवाल किया क्यों नहीं मिलेगा? जवाब में नवजोत बोली मुख्यमंत्री बनने के लिए ?500 करोड़ लगते हैं और हमारे पास देने के लिए इतने पैसे नहीं हैं। इसी के साथ सिद्धू के वापस बीजेपी जाने के सवाल पर नवजोत ने कहा कि मैं खुल के बोलती हूं वो कांग्रेस के साथ अटैच्ड है। बहुत ज्यादा उनको उनके साथ प्रियंका जी के साथ अटैचमेंट है। पर मुझे इतनी इनफैक्टिंग में लग नहीं रहा कि कहीं भी नवजोत सिद्धू को ये प्रमोट होने देंगे। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणी से पता चलता है कि कांग्रेस में नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं तक भ्रष्टाचार व्याप्त है। उन्होंने कहा है कि कोई भी व्यक्ति मुख्यमंत्री बनने के बारे में तभी सोच सकता है जब उसके सूटकेस में 500 करोड़ रुपये हों। कांग्रेस पूरी तरह से भ्रष्ट आचरण में डूबी हुई है। पंजाब भाजपा प्रमुख सुनील जाखड़ ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उनके दावे को कांग्रेस के लेन-देन की राजनीति के इतिहास से जोड़ा।

## सियासी खींचतान के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का बयान, कहा-कांग्रेस आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे

बैंगलुरू। कर्नाटक में सियासी हलचल के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक बयान दिया है। उन्होंने सोमवार को एक बार फिर से कहा कि वह राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। मुख्यमंत्री पिछले कुछ दिनों से बार-बार कह रहे हैं कि वह और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री परिवर्तन के बारे में हाईकमान जो भी निर्णय लेगा, वह उसे मानेंगे।

आलाकमान के फैसला का पालन करेंगे

सिद्धारमैया ने अपने बेटे और कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया के बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, 'आलाकमान जो भी फैसला करेगा, उसका पालन करेंगे।' सिद्धारमैया ने कहा कि अभी नेतृत्व परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं है।

यतींद्र ने पहले ही कहा- राज्य में नहीं होगी परिवर्तन

यतींद्र ने यहां सुवर्ण विधान सौध में संवाददाताओं से कहा, 'मैं यह पहले से ही कहता आया हूं, इसमें कुछ नया नहीं है। मुझे लगता है कि राज्य में फिलहाल नेतृत्व परिवर्तन जैसी कोई

बात नहीं है। मुझे उम्मीद है कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।'

आलाकमान अलग- अलग मुद्दें पर चर्चा करने के बुलाती हैं - यतींद्र

वहीं सिद्धारमैया को जनवरी में दिल्ली आने के लिए कहे जाने के सवाल पर, यतींद्र ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान मुख्यमंत्री को विभिन्न मुद्दों पर बुलाता है। इसलिए वह वहां जाकर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह राज्य के मौजूदा हालात पर भी बात करेंगे। इसके साथ ही यतींद्र ने यह भी स्वीकार किया कि नेतृत्व के मुद्दे पर भ्रम की स्थिति थी। इसके साथ ही यतींद्र के अनुसार कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) एक निश्चित अवधि के लिए उम्मीदवार चुनता है। सीएलपी ही तय करती है कि मुख्यमंत्री कौन होगा? यतींद्र ने आगे दावा किया कि हाल ही में आलाकमान की एक बैठक हुई थी जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने कोई फैसला नहीं लिया है और इसे स्थगित कर दिया है। उन्होंने दावा किया इसलिए अभी तक कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन पर कोई बात नहीं हुई है।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने के बाद राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष तेज हो गया था। यह अटकलें 2023 में सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच हुए कथित 'सत्ता-साझाकरण' समझौते से और तेज हो गईं। हालांकि, हाल ही में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों ने हाईकमान के निर्देश पर एक-दूसरे के आवास पर नाश्ते पर बैठकें की थीं, जिसे दोनों के बीच नेतृत्व की खींचतान को रोकने और विशेष रूप से बेलगावी विधानमंडल सत्र से पहले सिद्धारमैया के फिलहाल मुख्यमंत्री बने रहने का संकेत देने के कदम के रूप में देखा जा रहा है।

## 1 लाख लोग करेंगे कुरान का पाठ, टीएमसी के निलंबित विधायक ने दिया बड़ा बयान

कोलकाता। नई बाबरी पर हुमायूं कबीर का बड़ा बयान सामने आया। उनका कहना है 1 लाख लोग कुरान का पाठ करेंगे। ये बड़ी खबर है। चावल और मांस का भोज होगा। हुमायूं कबीर ने कहा। हुमायूं कबीर ने आगे यह भी कहा है कि उन्होंने गीता पाठ किया। अब हम कुरान का पाठ करेंगे। दरअसल हमने कल देखा था कि कोलकाता में सामूहिक गीता पाठ किया गया था। हुमायूं कबीर कह रहे हैं कि उन्होंने गीता पाठ किया था। तब इसके बदले में हम यहां पर कुरान का पाठ करेंगे और जो भोज होगा उसमें बांस और चावल होगा। सनातन धर्मावलंबी मानुष उनका पवित्र गीता पाठ कर रहा है।

कबीर ने कहा कि फरवरी में कुरान पाठ के बाद बाबरी मस्जिद के निर्माण का काम शुरू होगा। कबीर ने इससे पहले 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की वर्षगांठ के दिन मुर्शिदाबाद जिले में अयोध्या की बाबरी मस्जिद के मॉडल पर आधारित एक मस्जिद की नींव रखी थी। टीएमसी ने हुमायूं कबीर को पार्टी विरोधी गतिविधियों और सांप्रदायिक राजनीति का आरोप लगाते हुए पार्टी से निलंबित कर दिया है।

इस बीच, विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों के साधु और आध्यात्मिक नेताओं के समूह सनातन संस्कृति संसद ने कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में 'पंच लाखो कंठे गीता पाठ' (पांच लाख आवाजों द्वारा गीता पाठ) का आयोजन किया गया।

कोलकाता में आयोजित सामूहिक गीता पाठ कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 2026 विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में धार्मिक आधार पर वोटों का ध्रुवीकरण कर रही हैं। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार 'कट्टरपंथी शक्तियों' को बढ़ावा दे रही है।

## वो जिन्ना के चश्मे से वंदे मातरम को देखते हैं, संसद में बहस के दौरान राजनाथ सिंह का कांग्रेस पर अटैक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर लोकसभा में विशेष चर्चा को संबोधित किया और कहा कि राष्ट्रगान राष्ट्र की धड़कन और दुनिया भर में एक मंत्र बन गया है। लोकसभा में संसद के शीतकालीन सत्र में बोलते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि 1906 में भारत का पहला झंडा बनाया गया था, और उस झंडे के केंद्र में वंदे मातरम लिखा गया था, जिसे पहली बार बंगाल में फहराया गया था।

अगस्त 1906 में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए वंदे मातरम नामक एक समाचार पत्र भी शुरू किया गया था। यह वह समय था जब वंदे मातरम केवल एक शब्द नहीं था, यह एक भावना, प्रेरणा का स्रोत और एक कविता थी।

राजनाथ ने कहा कि वंदे मातरम अपने आप में पूर्ण है और इसे अपूर्ण बनाने के कई प्रयास किए गए। वंदे मातरम को उसका गौरव लौटाना समय की मांग है। राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा आज़ादी के बाद वंदे मातरम को हाशिए पर रखा गया और उसे वह न्याय नहीं मिला जिसका वह हक़दार था। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि वंदे मातरम सिर्फ़ बंगाल तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका इस्तेमाल पूर्व से पश्चिम तक होता था, और सिर्फ़ भारत में ही नहीं, बल्कि भारत के बाहर भी लोग इसका जाप करते थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सभी लोग वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाएँगे और इसे वह दर्जा देंगे जिसका यह हकदार है। उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों को अखंड भारत से समस्या थी या जो उससे डरते थे, उन्होंने राष्ट्रगीत के बाकी छंदों पर आपत्ति जताई। मेरा बस यही सवाल है कि कांग्रेस ने ऐसे लोगों का समर्थन क्यों किया?

## हम एयरलाइन नहीं चला सकते....इंडिगो संकट पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इंडिगो संकट पर तत्काल सुनवाई की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। देश भर में एयरलाइन को भारी व्यवधानों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण एक हफ्ते के लिए हजारों उड़ानें रद्द कर दी गईं। इंडिगो संकट पर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए अदालत ने कहा कि हम एयरलाइन नहीं चला सकते। इस मुद्दे का उल्लेख एक वकील ने किया, जिन्होंने पीठ को बताया कि बिना किसी पूर्व सूचना के उड़ानें रद्द किए जाने से यात्रियों को परेशानी हो रही है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जवाब दिया कि स्थिति गंभीर है और लाखों लोग हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं लेकिन न्यायालय एयरलाइन नहीं चला सकता।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भारत सरकार ने पहले ही इस संकट का संज्ञान ले लिया है और कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि समय पर कार्रवाई की गई है। संबंधित घटनाक्रम में दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें इंडिगो एयरलाइंस द्वारा नियमों के अनियंत्रित उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। जिसमें मनमाने ढंग से रद्दीकरण, ओवरबुकिंग, यात्री अधिकारों का उल्लंघन, भेदभावपूर्ण व्यवहार और डीजीसीए अनुपालन विफलताएं शामिल हैं, जो मौजूदा विमानन संकट का कारण बनी हैं। हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका का उल्लेख किया गया। याचिका में इंडिगो द्वारा बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने की स्वतंत्र न्यायिक जाँच और केंद्र को देश भर के विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे यात्रियों को तत्काल बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करने के निर्देश देने की माँग की गई है।

# आदित्य ठाकरे का दावा- सहयोगी पार्टी के 22 MLA फडणवीस के संपर्क में, कभी भी बदल सकते हैं पाला

**दिव्यांश**
**मुंबई(संवाददाता)**

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने सोमवार को दावा किया कि महायुति गठबंधन के एक सहयोगी दल के 22 विधायक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के संपर्क में हैं और पाला बदलने के लिए तैयार हैं। आदित्य ठाकरे का इशारा डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की ओर था। बता दें कि जून 2022 में शिंदे के नेतृत्व में विद्रोह के बाद शिवसेना में फूट पड़ गई थी, जिसके कारण तत्कालीन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी।

**'सहयोगी विधायकों ने सीएम के इशारों पर नाचना शुरू कर दिया'**

सोमवार को शिवसेना(यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का नाम लिए बिना दावा किया कि सत्ता पक्ष की एक पार्टी में दो गुट हैं। एक गुट के 22 विधायक सीएम फडणवीस के करीब आ गए हैं। उनके पास अच्छा फंड है और उन्होंने सीएम के इशारों पर नाचना शुरू कर दिया है।

वर्ली के विधायक ने यह भी कहा कि इन 22 विधायकों में से एक विधायक कोई खुद को 'वाइस-कैप्टन' कहता है। ठाकरे का इशारा उद्योग मंत्री उदय सामंत की तरफ था। इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) ने दावा किया था कि शिंदे और अजीत पवार के साथ सामंत राज्य के तीसरे उपमुख्यमंत्री हो सकते हैं। राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं की नियुक्ति में देरी के मुद्दे पर आदित्य ठाकरे ने पूछा कि सरकार विपक्ष के नेता से क्यों डर रही है?

**नेता विपक्ष की नियुक्ति की देरी पर उठाए सवाल**

ठाकरे गुट के नेता भास्कर जाधव को विधानसभा में नेता विपक्ष के पद के लिए नामांकित किया है, लेकिन स्पीकर द्वारा कैबिनेट-रैंक की नियुक्ति पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस पर जाधव ने राज्य विधानमंडल को लिखकर पूछा था कि क्या ऐसा कोई नियम है जिसके तहत किसी विपक्षी पार्टी के पास नेता प्रतिपक्ष पद पर दावा करने के लिए विधानसभा की कुल सीटों का 10 प्रतिशत (288 में से 29 सीटें) होना जरूरी है।

पिछले साल राज्य विधानसभा चुनावों में विपक्ष की हार के बाद कोई भी पार्टी कुल 288 सीटों में से 10 प्रतिशत सीटें नहीं जीत पाई। राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष राम शिंदे ने रविवार को कहा कि उनके ऑफिस को विपक्ष के नेता की नियुक्ति के लिए एक प्रस्ताव मिला है और संबंधित लोगों से बातचीत के बाद फैसला लिया जाएगा।

# संत संताजी जगन्नाडे महाराज जयंती के अवसर पर NMMA मुख्यालय में मूर्ति पूजा करके शुभकामनाएं दी गईं

**दिव्यांश**
**मुंबई(संवाददाता)**

नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से संत संताजी जगन्नाडे महाराज की जयंती के अवसर पर महानगरपालिका मुख्यालय के एम्फीथिएटर में प्रशासन विभाग के उपायुक्त श्री किसानराव पालंडे ने अपनी शुभकामनाओं के साथ, उपायुक्त श्री स्वरूपा पार्लीकर, प्रशासनिक अधिकारी श्री रवि जाधव और श्री शोभा देशमुख, स्वच्छता अधिकारी श्री मिलिंद अंबेकर और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रतिमा पूजन किया।

संत तुकाराम महाराज की अभंग गाथा के लेखक और उनके भजनों के सर्वश्रेष्ठ गायक संत संताजी जगन्नाडे महाराज ने 'तेलसिंधु', 'शंकरदीपिका', 'योगाची वाट' जैसी स्वतंत्र पुस्तकें भी लिखी हैं। अपनी पुस्तक 'तेलसिंधु' में उन्होंने तेल उत्पादन और व्यवसाय के बीच आध्यात्मिक संबंध दिखाया है और अलौकिक प्रतिभा की एक दृष्टि प्रस्तुत की है। उनकी जयंती के अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

# पुणे-सुपौल एक्सप्रेस के गाड़ी क्रमांक में परिवर्तन

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने पुणे से सुपौल के बीच संचालित होने वाली एक्सप्रेस ट्रेन के गाड़ी क्रमांकों में परिवर्तन करने का निर्णय लिया है। यह परिवर्तन तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

नई व्यवस्था के अनुसार–

पूर्व गाड़ी क्रमांक 12149 (पुणे-सुपौल एक्सप्रेस) का नया गाड़ी क्रमांक अब 11401 (पुणे-सुपौल एक्सप्रेस) होगा।

पूर्व गाड़ी क्रमांक 12150 (सुपौल-पुणे एक्सप्रेस) का नया गाड़ी क्रमांक अब 11402 (सुपौल-पुणे एक्सप्रेस) होगा।

उक्त बदलाव केवल गाड़ी क्रमांक तक सीमित है। ट्रेन के मार्ग, प्रस्थान समय, आगमन समय तथा कोच संरचना में फिलहाल कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि टिकट बुकिंग, स्टेशन सूचना पट्ट तथा रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट / ऐप पर प्रदर्शित नए गाड़ी क्रमांकों का ही उपयोग करें। रेलवे प्रशासन सभी यात्रियों से सहयोग की अपेक्षा करता है तथा बेहतर एवं सुगम रेल सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

# पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल - भगत की कोठी के बीच चलायी जाएगी स्पेशल ट्रेन

**मुंबई(संवाददाता)**

**मंत्र न्यूज**

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तथा यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल और भगत की कोठी के बीच स्पेशल किराये पर एक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 09083/09084 मुंबई सेंट्रल - भगत की कोठी साप्ताहिक स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 09083 मुंबई सेंट्रल - भगत की कोठी साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक बुधवार को मुंबई सेंट्रल से 23:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:00 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। यह ट्रेन 10 से 31 दिसंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09084 भगत की कोठी - मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को भगत की कोठी से 11:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:20 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। यह ट्रेन 12 दिसंबर, 2025 से 02 जनवरी, 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़ और लूनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी) कोच कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09083 की बुकिंग 09 दिसम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

# महाराष्ट्र शीतकालीन सत्र में कामकाज पर घमासान! सरकार की तेजी पर सवाल, 75 हज़ार करोड़ की मांगें चर्चा में

**मुंबई(संवाददाता)**

**मंत्र न्यूज**

महाराष्ट्र विधिमंडल के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के साथ ही सत्ता और विपक्ष के बीच कामकाज को लेकर तीखा विवाद सामने आया है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर सत्र को संक्षिप्त करते हुए विधिमंडल का कामकाज 'जल्दबाजी में निपटाने' का प्रयत्न कर रही है।

विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस नेता नाना पटोले का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि सरकार विधिमंडल का कामकाज जल्द निपटाने का प्रयत्न कर रही है और महत्वपूर्ण विषयों पर पर्याप्त चर्चा नहीं होने दे रही। शिवसेना उद्धव ठाकरे पार्टी के नेता भास्कर जाधव ने भी दावा किया

कि कामकाज सल्लागार समिति की बैठक में विपक्ष ने अपनी आपत्ति स्पष्ट रूप से रखी थी। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने स्पष्ट किया कि अधिवेशन की अवधि और कामकाज का स्वरूप कामकाज सल्लागार समिति में सर्वसम्मति से तय होता है. उन्होंने कहा कि अब उस पर अलग से चर्चा नहीं की जाएगी।

**सीएम ने सारे आरोपों को किया खारिज**

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कोरोना काल में महाराष्ट्र में अन्य राज्यों की तुलना में कम अवधि के सत्र हुए थे, जिसकी याद विपक्ष को भी है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं की चुनाव प्रक्रिया शुरू हो सकती है और आचारसंहिता लागू होने की संभावना के कारण इस सत्र की अवधि कम रखी गई है। फडणवीस ने आश्वासन दिया कि इस कमी को अगले अधिवेशन में अधिक अवधि देकर पूरा किया जाएगा।

**विधानसभा में 75 हजार करोड़ की पूरक वित्तीय मांगें पेश**

इस बीच दिन के कार्य में विधानसभा में 75 हज़ार करोड़ की पूरक वित्तीय मांगें भी पेश की गईं. इन पर आगे विस्तृत चर्चा होने की संभावना है। सरकार द्वारा पेश की गई इन पूरक मांगों में विभिन्न विभागों की अतिरिक्त योजनाओं, राहत कार्यों, विकास परियोजनाओं और तात्कालिक आवश्यकताओं के लिए बजट आवंटन शामिल होने की उम्मीद है।

# भुसावळ मंडल में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि

**मुंबई(संवाददाता)**

**मंत्र न्यूज**

दिनांक 08 दिसंबर 2025 को भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में भुसावळ मंडल में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल ने मंडल रेल कार्यालय, भुसावळ में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के छायाचित्र पर पुष्पहार अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं सामाजिक न्याय के प्रणेता डॉ. आंबेडकर की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल, अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) श्री सुनील कुमार सुमन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) श्री एम. के. मीना तथा विभिन्न यूनियनों के प्रतिनिधि

उपस्थित थे। मान्यवरों ने बाबासाहेब के जीवन, कार्य और समाज सुधार में उनके योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर वरिष्ठ शाखा अधिकारी एवं रेल कर्मचारीयों ने भी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

# मध्य रेल द्वारा महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई

**मुंबई(संवाददाता)**

**मंत्र न्यूज**

मध्य रेल पर दिनांक 08.12.2025 को भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस का आयोजन ।

मध्य रेल के अपर महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस हेरिटेज बिल्डिंग के फ़ोयर में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। गोस्वामी ने भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता और सामाजिक न्याय के अग्रदूत डॉ. आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया और मोमबत्तियाँ जलाकर उन्हें स्मरण किया।

इस अवसर पर उपस्थित मध्य रेल के प्रमुख विभागाध्यक्षों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी महान नेता को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

## पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल ⇌ भगत की कोठी के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाएगा

| ट्रेन नं0 | प्रारम्भिक स्टेशन और गंतव्य स्टेशन | सेवा का दिन | प्रस्थान | आगमन |
|---|---|---|---|---|
| 09083 | मुंबई सेंट्रल-भगत की कोठी | 10.12.2025 to 31.12.2025 | 23:10 hrs | 17:00 hrs |
| 09084 | भगत की कोठी- मुंबई सेंट्रल | 12.12.2025 to 02.01.2026 | 11:30 hrs | 04:20 hrs |

हाल्टः दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़ और लूनी स्टेशन।

संरचनाः फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर और एसी-3 टियर (इकोनॉमी) क्लास कोच।

समय, ठहराव और कोच संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ।

ट्रेन नंबर 09083 की बुकिंग 09.12.2025 को सुबह 08.00 बजे सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। यह ट्रेन स्पेशल किराए पर स्पेशल ट्रेन के तौर पर चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए ओरिजिनल आईडी प्रूफ साथ रखें।

# मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल द्वारा महापरिनिर्वाण दिवस पर भारतरत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित

**मुंबई(संवाददाता)**

**मंत्र न्यूज**

मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल ने 8 दिसंबर 2025 को भारतीय संविधान के शिल्पकार, समानता एवं सामाजिक न्याय के वैश्विक प्रतीक भारतरत्न डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धापूर्वक एवं सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की। सोलापुर मंडल कार्यालय में इस अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह की शुरुआत मंडल रेल प्रबंधक डॉ. सुजीत मिश्रा, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक अंशुमाली कुमार तथा मुख्य परियोजना प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह परिहार द्वारा डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर एवं सामूहिक बुद्ध वंदना से की गई।

उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए DRM डॉ. सुजीत मिश्रा ने डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक सशक्तिकरण, समानता, मानवाधिकार एवं राष्ट्र निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि

वे डॉ. अम्बेडकर के आदर्शों को अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में आत्मसात करते हुए न्याय, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को और मजबूत बनाएं।

मान्यता प्राप्त संघों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी डॉ. अम्बेडकर के संघर्षपूर्ण जीवन, वंचित समुदायों के उत्थान हेतु किए गए उनके अथक प्रयासों तथा देश को दिशा देने वाले उनके विचारों पर अपने उद्गार व्यक्त किए। समारोह में सभी शाखा अधिकारी, अन्य अधिकारी, संघ एवं संगठन के पदाधिकारी तथा मंडल के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने डॉ. अम्बेडकर की प्रेरणादायी विरासत को सामूहिक रूप से नमन करने का एक सशक्त संदेश दिया।

## बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभागः मुख्य अभियंता (मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल)
क्रमांक E.E.Mech./5427/दक्षिण दिनांक 08.12.2025

**ई-निविदा सूचना**

बृहन्मुंबई नगर निगम के कमिश्नर योग्य बोलीदाताओं से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन टेंडर आमंत्रित करते हैं। बोली शुरू होने की तारीख और समय और बोली समाप्त होने की तारीख और समय B.M.C. की वेबसाइट पर टेंडर सेक्शन और महाटेंडर पोर्टल पर विस्तृत टेंडर सूचना में बताया गया है।

| क्रमांक | बोली संख्या | कार्य का नाम |
|---|---|---|
| 1. | 2025_MCGM_1256451_1 | डी वार्ड में बाणगंगा कब्रिस्तान में नए बने चौथे पारंपरिक लकड़ी के चिता स्थल पर मौजूदा वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली लगाने का काम। |

इच्छुक टेंडर देने वाले टेंडर की ज़्यादा जानकारी के लिए BMC की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in और महाटेंडर पोर्टल की वेबसाइट http://mahatenders.gov.in पर जाएं।

पीआरओ/2552/विज्ञा./2025-26

ई.ई.मैकेनिकल (दक्षिण)

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

# सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष सैनिकों के परिवारों को बहुत बड़ा सहारा देता है- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

देश के लिए सैनिकों के समर्पण को किसी भी कीमत पर नहीं मापा जा सकता। सेना में कठिन जीवन जीते हुए देश के लिए जान कुर्बान करने वाले सैनिकों के परिवारों की मदद के लिए सरकार द्वारा कई पहल की जा रही हैं। सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष संग्रह के माध्यम से भी सैनिकों के परिवारों को सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह कोष सैनिकों के परिवारों के लिए एक बहुत बड़ा सहारा है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष संग्रह का उद्घाटन कार्यक्रम मुख्यमंत्री फडणवीस की अध्यक्षता में रामगिरी सरकारी आवास पर आयोजित किया गया। पूर्व सैनिक कल्याण मंत्री शंभूराज देसाई, वित्त और योजना राज्य मंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव पंकज कुमार, पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक कर्नल मनोहर थोंगे, संभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी, जिला कलेक्टर विपिन इटनकर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनायक महामुनि आदि मंच पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, एक शहीद सैनिक के जीवन का मूल्य लगाना संभव नहीं है। हालांकि, सरकार उनके परिवारों को सहारा देने के लिए 25 लाख रुपये दे रही थी। इसे 4 गुना बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दिया गया है। सरकार शहीद सैनिकों के परिवारों को हर संभव मदद दे रही है। सेना के प्रति सम्मान रखने वाले कई नागरिक अपनी दैनिक आय से झंडा दिवस कोष में पैसे दान कर रहे हैं। इस कोष का उपयोग समारोहों के लिए किया जाता है, इस कोष से कई गतिविधियां लागू की जाती हैं।

दुनिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेना की वीरता देखी है। उसके बाद, भारतीय सेना एक शक्तिशाली देश की सेना बन गई है। अगर भविष्य में कोई चुनौती आती है, तो भारतीय सेना उसका सामना करने में सक्षम है। सेना की बहादुरी से हम देश की सभी सीमाओं को सुरक्षित रख रहे हैं, मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस अवसर पर कहा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने नागरिकों से भी अपील की कि वे सशस्त्र सेना झंडा दिवस धन संग्रह में अपने तरीके से भाग लेकर सेना के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करें। कार्यक्रम के दौरान, सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष का बैच लगाकर धन संग्रह का शुभारंभ किया गया। नागपुर जिले में सशस्त्र सेना झंडा दिवस फंड कलेक्शन का लक्ष्य हासिल करने के लिए डिवीजनल कमिश्नर, जिला कलेक्टर और अन्य विभागों के प्रमुखों को सम्मानित किया गया।

नागपुर शहर के फूल बेचने वाले आशीष गाडिकर और संतोष गाडिकर को मुख्यमंत्री फडणवीस ने खास तौर पर सम्मानित किया, जिन्होंने अपनी रोज़ की कमाई से हर महीने 500 रुपये झंडा दिवस फंड कलेक्शन में दान किए। इसके अलावा, 1965 और 1971 के युद्धों के सैनिक मेजर हेमंत जकाते को 2025 फंड कलेक्शन में 50 हज़ार रुपये दान करने के लिए और श्रीमती गीता कोठे को झंडा दिवस फंड में 1 लाख रुपये दान करने के लिए सम्मानित किया गया।

पूर्व सैनिकों के होनहार बच्चों को भी मुख्यमंत्री फडणवीस ने सम्मानित किया। यह प्रस्ताव जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर आनंद पाथारकर ने दिया था। कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार केवते ने किया और धन्यवाद ज्ञापन मेजर पंढरी चव्हाण ने दिया।

झंडा दिवस फंड कलेक्शन में नागपुर जिले का शानदार प्रदर्शन

साल 2024 में, नागपुर जिले को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के लिए फंड इकट्ठा करने का 2 करोड़ 15 लाख रुपये का लक्ष्य मिला था। नागपुर जिले ने फंड कलेक्शन में राज्य में अच्छा प्रदर्शन किया, 3 करोड़ 51 लाख 71 हज़ार रुपये यानी 164 प्रतिशत फंड इकट्ठा किया। 2025 में, जिले को 2 करोड़ 15 लाख रुपये का लक्ष्य मिला है।

# पार्क में युवक की घात लगाकर हत्या, दोस्तों ने चाकू से 20 से ज्यादा वार कर उतारा मौत के घाट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के पुणे में युवाओं और नाबालिगों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति एक बार फिर चिंता का कारण बन गई है. हाल ही में शहर में लगातार अपराध बढ़ रहे हैं, जिनमें चंदननगर इलाके की एक बेहद चौंकाने वाली घटना ने लोगों को हिलाकर रख दिया. येरवडा के पास स्थित ऑक्सीजन पार्क में 19 साल के युवक लखन उर्फ सोन्या सकट की उसके ही दोस्तों ने बेरहमी से हत्या कर दी.

**दोस्तों ने हत्या की बनाई योजना**

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात लखन और आरोपियों के बीच किसी मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था. इस झगड़े को शांत करने के लिए लखन शनिवार रात अपने एक दोस्त के साथ ऑक्सीजन पार्क गया. उसे लगा था कि वहां जाकर बात साफ हो जाएगी, लेकिन उसके दोस्तों ने पहले से ही उसकी हत्या की योजना बना रखी थी.

**पार्क में घात लगाकर हमला**

आरोपी प्रथमेश दर्डू और यश गायकवाड़ धारदार हथियार लेकर पार्क में पहले से छिपकर बैठे थे. जैसे ही लखन वहां पहुंचा, उन्होंने अचानक उस पर हमला कर दिया. दोनों ने मिलकर लखन पर हाथ, पैर, पेट, मुंह और सिर पर लगभग 20 से 25 वार किए. हमलों इतने ज्यादा हुए कि लखन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. यह सब कुछ पल भर में हो गया और पार्क में मौजूद लोग डर के मारे कुछ कर नहीं पाए.

**इलाके में दहशत फैली**

ऑक्सीजन पार्क, जो आम दिनों में स्थानीय लोगों से भरा रहता है, वहां हुई इस खौफनाक हत्या से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस उपायुक्त सोमय मुंडे, एसीपी प्रांजली सोनावणे और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सीमा ढाकणे मौके पर पहुंचे. पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और उस समय पार्क में मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है.

सिर्फ 19 साल के युवक की इतनी निर्ममता से हत्या होने से यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर पुणे में युवाओं में हिंसक प्रवृत्ति क्यों बढ़ रही है? मामूली विवादों पर जान लेने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं. नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़नी चाहिए और ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है, ताकि शहर में डर का माहौल खत्म हो सके.

# सुधाकर तेलंग ने स्टेट सर्विस एंटाइटलमेंट कमिश्नर (पुणे) के तौर पर शपथ ली

मुंबई।स्टेट सर्विस एंटाइटलमेंट कमीशन के चीफ कमिश्नर मनुकुमार श्रीवास्तव ने सुधाकर बापूराव तेलंग को महाराष्ट्र स्टेट सर्विस एंटाइटलमेंट कमीशन कमिश्नर, पुणे के तौर पर शपथ दिलाई। इस मौके पर कोंकण डिवीजन के कमिश्नर बलदेव सिंह, पूर्व कमिश्नर दिलीप शिंदे, सेक्रेटरी वैशाली चव्हाण और पूर्व डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर राजेंद्र क्षीरसागर मौजूद थे। रिटायर्ड सीनियर ऑफिसर उदय पाटिल और भगवान गावड़े ने भी नए कमिश्नरों को बधाई दी। पूर्व कमिश्नर दिलीप शिंदे ने कमिश्नर तेलंग का स्वागत किया और कमीशन के कामकाज के बारे में उन्हें गाइड किया।

चीफ कमिश्नर मनुकुमार श्रीवास्तव ने कहा कि उनके सर्विस पीरियड के दौरान उन्होंने जो अगला काम किया, वह स्टेट सर्विस एंटाइटलमेंट कमीशन है। इस काम में वे लगातार सभी सरकारी डिपार्टमेंट और कर्मचारियों से बातचीत करते हैं। उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि तेलंग इन जिम्मेदारियों को पूरी लगन और मेहनत से निभाएंगे।

तेलंग ने भरोसा दिलाया कि वे संविधान के मूल्यों को बनाए रखते हुए नागरिकों को समय पर और अच्छी सर्विस देने के लिए कमिटेड रहेंगे। स्टेट सर्विस राइट्स कमीशन पब्लिक सर्विस का एक बहुत ज़रूरी सिस्टम है। लोगों की समस्याओं को हल करना, समय पर सर्विस देना और सरकारी विभागों में जवाबदेही और ट्रांसपेरेंसी बढ़ाना प्राथमिकता होगी। आने वाले कार्यकाल में वह अपना बेस्ट देंगे। तेलंग ने कहा। स्टेट सर्विस राइट्स कमीशन इस बात पर नज़र रखता है कि लोगों को तय समय में सरकारी सर्विस मिल रही हैं या नहीं। शिकायतों की सुनवाई होती है और देरी होने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सज़ा वाली कार्रवाई की जाती है। यह सरकारी विभागों को सुधार के सुझाव देता है और प्रोसेस में ट्रांसपेरेंसी बनाए रखता है और सर्विस गारंटी एक्ट के तहत लोगों को न्याय दिलाने में भी मदद करता है।

# विधानमंडल शीतकालीन सत्र 2025 की 'टेलीफोन डायरेक्टरी' प्रमुख सचिव बृजेश सिंह द्वारा जारी

## • QR कोड से डिजिटल डायरेक्टरी तक आसान पहुंच

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले, सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय द्वारा तैयार की गई 'शीतकालीन सत्र 2025 टेलीफोन डायरेक्टरी' आज प्रमुख सचिव और सूचना महानिदेशक, बृजेश सिंह द्वारा जारी की गई।

यह व्यापक गाइड यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है कि नागपुर में सत्र में भाग लेने वाले राजनीतिक प्रतिनिधि, अधिकारी, पत्रकार और नागरिक संबंधित सरकारी विभागों से आसानी से और तुरंत जुड़ सकें। प्रमुख सचिव बृजेश सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि यह डायरेक्टरी सभी हितधारकों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी।

इस कार्यक्रम के दौरान, टेलीफोन डायरेक्टरी का QR कोड भी जारी किया गया। इस कोड के साथ, पूरी डायरेक्टरी अब डिजिटल फॉर्मेट में आसानी से ऑनलाइन उपलब्ध है, जिससे छपाई पर होने वाले सरकारी खर्च में काफी बचत होगी।

डायरेक्टरी में संपर्क जानकारी का विवरण

यह टेलीफोन डायरेक्टरी–जो सत्र के दौरान सुचारू समन्वय के लिए बहुत उपयोगी है–को दो भागों में बांटा गया है:

भाग 1 (राजनीतिक और प्रशासनिक): इस अनुभाग में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों और विधानमंडल के पीठासीन अधिकारियों (अध्यक्ष, सभापति) के संपर्क नंबर, साथ ही उनके कार्यालयों और आवासों का संपर्क विवरण शामिल है।

इसमें विधान भवन, हैदराबाद हाउस, रवि भवन और नाग भवन में अस्थायी आवासों और कार्यालय व्यवस्थाओं की संपर्क जानकारी भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, यह प्रमुख राज्य अधिकारियों के संपर्क, साथ ही नागपुर और उसके आसपास चिकित्सा सुविधाओं, पर्यटन स्थलों और परिवहन (रेल और हवाई सेवाएं) के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

भाग 2 (सरकारी कार्यालय): इस अनुभाग में नागपुर में सरकारी कार्यालयों जैसे संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर, पुलिस विभाग, न्यायपालिका, विभिन्न प्रशासनिक विभागों (लोक निर्माण, वित्त, जल संसाधन) और स्थानीय स्व-सरकारी निकायों (नगर निगम / NIT) के विस्तृत संपर्क नंबर शामिल हैं।

उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

प्रकाशन समारोह में अवर सचिव (सामान्य प्रशासन) अजय भोसले; अनुभाग अधिकारी युवराज सोरगांवकर; DGIPR के निदेशक किशोर गंगुर्दे (प्रशासन), डॉ. गणेश मुले (नागपुर-अमरावती संभाग), गोविंद अहंकारी (समाचार); DGIPR के विशेष अधिकारी इरशाद बागवान; और जिला सूचना अधिकारी विनोद रापटवार।

डायरेक्टरी के पीछे की टीम

यह डायरेक्टरी गजानन जाधव (प्रभारी जिला सूचना अधिकारी, गढ़चिरोली), सहायक निदेशक पल्लवी धराव, सूचना अधिकारी रितेश भुयर और अतुल पांडे, मीडिया समन्वयक अनिल गाडेकर और सरकारी प्रेस के सहयोग से तैयार की गई है।

# नेता प्रतिपक्ष पद को लेकर सियासत, कांग्रेस बोली- 'महायुति को शर्म आनी चाहिए कि...'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने सत्तापक्ष पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि सत्ताधारियों (महायुति) को शर्म आनी चाहिए कि वे इतने कम अवधि वाले विधानसभा अधिवेशन को बिना विपक्ष के नेता के ही आगे बढ़ा रहे हैं. उन्होंने कहा कि अधिवेशन (सत्र) छोटा है और विपक्ष नेता का न होना लोकतंत्र का उपहास है.

हर्षवर्धन सपकाल ने स्पष्ट कहा कि 10 प्रतिशत का मानक केवल एक धारणा है, उसका कहीं भी संवैधानिक उल्लेख नहीं है. विधान परिषद (ऊपरी सदन) में कांग्रेस के 10 प्रतिशत सदस्य हैं और उसी आधार पर हमने अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया है.

**लोकशाही की पवित्रता बनाए रखें**

हर्षवर्धन सपकाल ने आगे कहा, 'लोकतंत्र को रौंदे बिना संविधान की प्रगतिशील भावना का पालन होना चाहिए. विपक्ष जरूरी है. महाराष्ट्र के जिस 'महाराष्ट्र धर्म' की तुकाराम महाराज ने व्याख्या की है, सरकार को उसका पालन करना चाहिए.'

उन्होंने कहा कि अधिवेशन के दौरान आधा समय सत्ताधारी पक्ष और आधा समय विपक्ष को चर्चा के लिए मिलना चाहिए. दोनों सदनों में विपक्ष के नेता से जुड़े मुद्दों को तुरंत सुलझाया जाना चाहिए. सपकाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार यह पद नहीं देती, तो इसका अर्थ है कि उन्हें लोकतंत्र पर विश्वास ही नहीं है.

**संवैधानिक विपक्ष नेता पद नहीं दिया जा रहा**

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख ने ये भी कहा, 'उपमुख्यमंत्री का पद तो निश्चित ही असंवैधानिक है, लेकिन जो पद पूरी तरह संवैधानिक है विपक्ष नेता उसे ही नहीं दिया जा रहा. यह संविधान और महाराष्ट्र की परंपराओं दोनों के खिलाफ है.' उन्होंने कहा कि निचले सदन में शिवसेना (उद्धव गट) के सबसे अधिक सदस्य हैं. उन्होंने पिछली विधानसभा में भी इसका प्रस्ताव दिया था. यदि प्रस्ताव नहीं है, तो नया प्रस्ताव तुरंत प्रस्तुत किया जा सकता है; मामले को लटकाने की कोई जरूरत नहीं।

सिर्फ घोषणाए

**नहीं, किसानों को सीधे राहत मिले**

हर्षवर्धन सपकाल ने आगे कहा कि स्वामीनाथन आयोग की शिफारिशें विदर्भ के किसानों की पीड़ा कम करने वाली थीं. इसलिए सरकार को केवल घोषणाओं की बारिश नहीं करनी चाहिए बल्कि किसानों को सीधी राहत देने का निर्णय करना चाहिए. यही अपेक्षा इस अधिवेशन से है।

**अधिवेशन शुरू विपक्ष की मागें तेज**

बता दें कि सोमवार से विधिमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ है. विपक्ष ने कई मांगें उठाई हैं. इन मांगों पर अधिवेशन में विचार होगा या नहीं इस पर प्रश्न उठ रहे हैं. सपकाल ने ये भी दोहराया कि सत्ताधारियों और विपक्ष दोनों को आधा-आधा समय मिलना चाहिए, और घोषणाओं की जगह किसानों के लिए ठोस राहत जरूरी है।

# 'वंदे मातरम् का विरोध नहीं करें मुसलमान, ये इस्लाम के...', कांग्रेस नेता हुसैन दलवई का बड़ा बयान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

लोकसभा में वंदे मातरम् के 150वीं सालगिरह पर 10 घंटे की चर्चा को लेकर कांग्रेस के नेता हुसैन दलवई ने भारत के मुसलमानों से हाथ जोड़कर अपील की है कि वे वंदे मातरम् गीत का विरोध न करें, क्योंकि यह इस्लाम के खिलाफ नहीं है.

मुंबई में कांग्रेस नेता ने कहा कि सनातन और हिंदू धर्म के बीच कोई संबंध नहीं है. सनातन धर्म का मतलब ब्राह्मणवादी विचारधारा है, जबकि हिंदू धर्म एक उदार आस्था है. संतों के अनुसार, हिंदू धर्म सबको साथ लेकर चलने वाला धर्म है, जबकि सनातन धर्म जाति व्यवस्था को बढ़ावा देता है और मनुवादी सोच को दिखाता है.

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का पहला छंद हर स्कूल में पढ़ा जाता था. इसमें उनके लिए 'लागू' करने जैसा क्या है? अब वे क्या लागू करेंगे? जब हम बच्चे थे, तब से ही स्कूलों में 'वंदे मातरम' पढ़ा जा रहा है.हुसैन दलवई ने कहा कि मैंने एक बार विधान परिषद में यह मुद्दा उठाया था. मैंने कहा था कि वंदे मातरम् का विरोध करने की कोई जरूरत नहीं है. मैं मुसलमान हूं, लेकिन मैं वंदे मातरम् गाता हूं. यह मेरे धर्म के खिलाफ नहीं है.

कुछ छंद में मुसलमानों का विरोध

'उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् में कुछ छंद है, जिसे लेकर मुसलमानों का विरोध है. वंदे मातरम् वह गीत है, जिसे लेकर देश के न जाने कितने ही लोगों ने अंग्रेजों की लाठियां खाईं. बीजेपी के लोगों को यह याद रखना जरूरी है. अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी जा रही लड़ाई के दौरान लोग वंदे मातरम् बोलते थे. पंडित नेहरू से लेकर महात्मा गांधी तक ने वंदे मातरम् बोला.

बीजेपी पूरा गाए जाने पर दे रही जोर

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहला छंद किसी भी तरह से इस्लाम के खिलाफ नहीं है, लेकिन बाद के छंदों में ऐसे संदर्भ हैं जो मुसलमानों के खिलाफ बोलते हैं और सिर्फ हिंदू मान्यताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं. आपत्ति यहीं है. बाद के तीन छंद यहां नहीं गाए जाते, सिर्फ पहले छंद को राष्ट्रगीत के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है. मुसलमानों को यह समझना चाहिए, लेकिन बीजेपी इस बात पर जोर दे रही है कि वंदे मातरम् पूरा गाया जाना चाहिए.

# कुएं में पलटी प्याज से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, उसपर सवार 3 बच्चे भी गिरे, दो की तलाश जारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के साक्री तालुका के गणेशपुर में प्याज से भरा एक ट्रैक्टर ट्रॉली सहित कुएं में गिरने की घटना सामने आई है. रविवार दोपहर यह घटना हुई. इस ट्रैक्टर पर खेल रहे तीन छोटे बच्चे ट्रॉली के साथ कुएं में गिर गए. प्रारंभिक जानकारी सामने आई है कि उनमें से एक बच्चे को बचाने में सफलता मिली है और दो छोटी लड़कियों की तलाश के लिए रविवार रात देर तक खोजबीन जारी थी. घटना की जानकारी मिलते ही साक्री पुलिस स्टेशन के पीआई दीपक वलवी और उनकी टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची. ग्रामीणों की मदद से पुलिस प्रशासन ने लापता लड़कियों की तलाश का काम युद्ध स्तर पर जारी है.

**क्या है पूरा मामला?**

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक गणेशपुर शिवारा में प्याज की चाली में प्याज ट्रैक्टर की ट्रॉली में भरने का काम चल रहा था. काम करने वाले मजदूरों के कुछ बच्चे ट्रैक्टर पर खेल रहे थे. खेलते समय अचानक ट्रैक्टर चालू हो गया और कुछ दूरी पर बिना बाड़े के लगभग 60 फीट गहरे पानी से भरे कुएं में पांच साल से कम उम्र की बच्चियों सहित प्याज से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली गिर गया.

3 साल की खुशी दाजू ठाकरे, 3 साल की ऋतिका संदीप गायकवाड़ गहरे कुएं में गिरने से पानी में लापता हो गए. जबकि परी संदीप गायकवाड़ नामक दो साल की बच्ची को बचाने में ग्रामीणों को सफलता मिली. हालांकि, पांच घंटे से ट्रैक्टर के साथ पानी में गई लड़कियों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, जिससे दुख व्यक्त किया जा रहा है.

**घटनास्थल पर जेसीबी मंगवाई गई**

लापता लड़कियों की तलाश के लिए 60 फीट तक के पानी को पंप की सहायता से निकालने का काम देर रात तक जारी था. बचाव कार्य के लिए घटनास्थल पर जेसीबी मंगवाई गई है. साक्री पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक दीपक वलवी के नेतृत्व में ग्रामीणों के सहयोग से बचाव और खोजबीन का काम देर रात तक जारी रहा. इस स्थान पर गणेशपुर सहित आसपास के दिघावे, कासारे, छाईल, सायने गांवों के ग्रामीण बचाव कार्य के लिए आगे आए हैं.

## सम्पादकीय

# उड़ान का संकट! जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है

पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने से विमानन कंपनी इंडिगो में उपजा उड़ान परिचालन का संकट इस फैसले को वापस लेने के बाद भी थमता नजर नहीं आया। शनिवार को कंपनी की साढ़े आठ सौ से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि शुक्रवार को देश भर के विभिन्न हवाईअड्डों से एक हजार से अधिक उड़ानें निरस्त कर दी गई थीं। इससे न केवल यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हो रही है, बल्कि उन्हें दूसरी उड़ानों की यात्रा टिकट हासिल करने के लिए कई गुना अधिक दाम चुकता करने पड़ रहे हैं।

हालांकि, इस समस्या के निराकरण के लिए सरकार ने अब फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा 7, 500 रुपए से 18, 000 रुपए तक सीमित कर दी है। मगर उड़ानों के परिचालन का संकट दूर करने के लिए पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने का जो फैसला वापस लिया गया है, क्या इस मसले की संवेदनशीलता को देखते हुए उस पर फिर से विचार किया जाएगा? यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि आखिर इंडिगो में ही यह संकट क्यों और कैसे पैदा हुआ।

दरअसल, पायलटों का संगठन लंबे समय से साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने की मांग कर रहा था। उनका कहना था कि लगातार काम के दबाव की वजह से उन्हें थकान समेत कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर नागर विमानन महानिदेशालय ने हाल में नई नियमावली जारी कर पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय में बारह घंटे की बढ़ोतरी कर उसे अड़तालीस घंटे कर दिया था। इसके बाद इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने का सिलसिला शुरू हो गया।

कंपनी का तर्क था कि नए नियमों के लागू होने से ज्यादा पायलट अवकाश पर हैं, जिससे उड़ानों का परिचालन बाधित हुआ है। मगर, इस बात पर गौर करना जरूरी है कि नए नियम सभी विमानन कंपनियों पर लागू थे! दूसरा, इस बात पर भी गहराई से विचार करने की जरूरत है कि उड़ान के दौरान पायलटों की संवेदनशीलता और सक्रियता बेहद महत्त्वपूर्ण होती है, जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में उनके पूरी तरह स्वस्थ रहने के लिए उन्हें जरूरी आराम की सुविधा का पहलू भी अहम है।

एक और समस्या है जो उड़ानों के संकट के बीच अक्सर हवाई यात्रियों को परेशानी और चिंता में डाल देती है, वह है किराए में अचानक बढ़ोतरी। यह इसलिए है, क्योंकि विमानन कंपनियों पर किराए की सीमा को लेकर कोई स्पष्ट नियम लागू नहीं है। इसी कारण शनिवार को स्पाइसजेट की कोलकाता-मुंबई की एक तरफ की यात्रा के लिए 'इकोनामी' श्रेणी के हवाई टिकट की कीमत नब्बे हजार रुपए तक पहुंच गई, जबकि एअर इंडिया की मुंबई-भुवनेश्वर उड़ान के लिए यात्रियों को चौरासी हजार रुपए तक में टिकट खरीदना पड़ा।

इन खबरों के बाद सरकार ने फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा तय कर दी है। मगर यह व्यवस्था तब तक रहेगी, जब तक उड़ानों का संकट दूर नहीं हो जाता है। सवाल है कि क्या इसके बाद विमानन कंपनियों की ओर से मनमाना किराया वसूलने का सिलसिला जारी रहेगा। ऐसे में जरूरी है कि सरकार की ओर से स्थायी तौर पर हवाई किराए की सीमा तय करने की पहल की जाए, ताकि कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लग सके और यात्रियों को बेवजह परेशानी एवं आर्थिक नुकसान न झेलना पड़े।

# हिंदू विकास दर' का मिथक ध्वस्त' – वैश्विक मंच पर भारत की नई वैचारिक उद्घोषणा

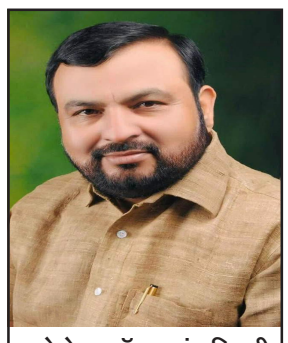

प्रोफ़ेसर डॉ दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा,
मुंबई, महाराष्ट्र

हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का वक्तव्य केवल एक भाषण नहीं था–वह भारत की वैचारिक रीढ़ को सशक्त करने वाला, इतिहास की धुंध को साफ कर देने वाला, और भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाला दस्तावेज़ था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'जब दुनिया बिखरी हुई है, भारत सेतु-निर्माता बनकर उभर रहा है।' यह उद्घोष एक ऐसे आत्मविश्वास से भरा हुआ था, जिसे आज पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है।

दुनिया दिशाहीन – भारत मार्गदर्शक राष्ट्र

आज विश्व परिदृश्य राजनीतिक तनाव, युद्ध, आर्थिक अस्थिरता और सामाजिक उथल-पुथल से घिरा है।

अमेरिका-चीन टकराव, रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व का संकट, यूरोप की सुस्ती और अफ्रीका-एशिया में बढ़ते विभाजन–यह सब मिलकर एक अस्थिर वैश्विक वातावरण बना रहे हैं। इसी दौर में भारत–

सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

सबसे स्थिर लोकतंत्र

सबसे विश्वसनीय उपभोक्ता और प्रतिभा बाजार के रूप में उभरता है। चाहे जी-20 हो, क्वाड हो, SCO या ग्लोबल साउथ–हर मंच पर भारत आज 'कोर लीडर' है। प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट था–भारत अब समाधान का निर्माता (Solution Maker) है, केवल भागीदार नहीं।

'हिंदू विकास दर'–औपनिवेशिक और वामपंथी मानसिकता का आखिरी अवशेष

प्रधानमंत्री ने जिस साहस से उपहास का सम्मिश्रण।

मोदी ने पहली बार साफ शब्दों में कहा कि यह शब्द भारत की संभावनाओं को बाँधने का दुराग्रह था।

यह बयान नई पीढ़ी को यह संदेश देता है कि–विकास जातीय या सांस्कृतिक पहचान का मोहताज नहीं; यह संकल्प, क्षमता और नेतृत्व का परिणाम है।

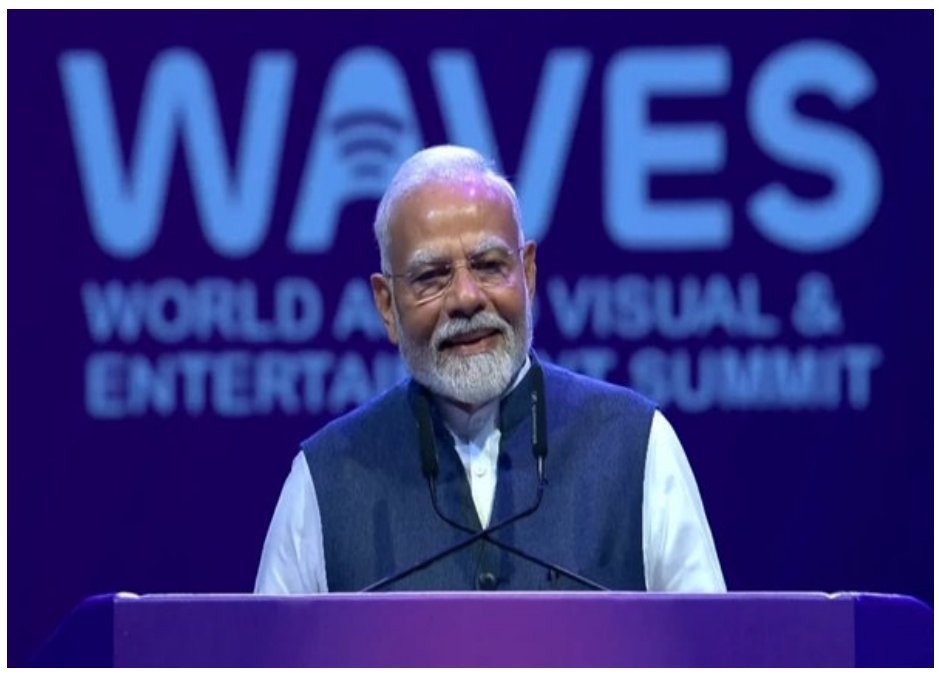


'Hindu Rate of Growth' शब्द को चुनौती दी, वह दशकों से चले आ रहे बौद्धिक पाखंड पर निर्णायक प्रहार है। 2–3% वृद्धि दर वाले काल में गढ़ा गया यह शब्द भारत के आत्मविश्वास को कमज़ोर करने का हथियार था।

यह आरोप था–कि भारत की सभ्यता, संस्कृति या हिंदू समाज ही विकास-अयोग्य है। यह शब्द न तो वैज्ञानिक था, न आर्थिक; यह था–औपनिवेशिक मानसिकता, बौद्धिक अहंकार और सांस्कृतिक

आज का भारत–7–8% वृद्धि दर के साथ विश्व का Growth Engine

एक समय जिस भारत पर 'Hindu Rate of Growth' का ठप्पा लगाया गया, वही भारत आज–

7-8% की स्थिर और तीव्र विकास दर

शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

विश्व निवेशकों का प्रिय गंतव्य

डिजिटल क्रांति का वैश्विक अग्रदूत

of Growth' एक बौद्धिक मज़ाक और बीते युग की धूल में दबी हुई परिभाषा भर बनकर रह गया है।

मोदी का सटीक प्रहारः 'इसमें सांप्रदायिकता क्यों नहीं दिखी?'

प्रधानमंत्री ने पूछा–'जिन्हें हर बात में सांप्रदायिकता दिखती है, उन्हें 'Hindu Growth Rate' में क्यों नहीं दिखी?'

यह प्रश्न केवल तंज नहीं था–यह वर्षों से चले आ रहे बौद्धिक पाखंड का पर्दाफाश था।

सड़क, रेल, बंदरगाह, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों में अभूतपूर्व विस्तार के साथ, पूरी दुनिया को चकित कर रहा है।

आज विश्व मंच पर यह स्वीकारोक्ति गूँज रही है–

'India is not just a market; India is a global growth-driver.'

ऐसे समय में 'Hindu Rate

जब हिंदू सभ्यता के नाम पर आर्थिक अपमान गढ़ा गया, तब वही वर्ग मौन रहा जो आज हर पहल पर असहिष्णुता खोजता फिरता है।

मोदी का उद्देश्य स्पष्ट था–भारत अब सांस्कृतिक उपहास को सहन नहीं करेगा।

मोदी युग–आत्मसम्मान, दृढ़ नेतृत्व और आक्रामक आत्मविश्वास का समय

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब डरता नहीं, दबता नहीं झुकता नहीं और राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखता है।

भारत अब एजेंडा-सेटर देश है–दूसरों के एजेंडा पर नहीं चलता।

विश्व में भारत की पाँच नई पहचान

आज दुनिया भारत को पाँच नई भूमिकाओं में देख रही है–

Problem Solver – वैश्विक संकटों में समाधान प्रस्तुत करने वाला

Peace Partner – शांति और संवाद का सबसे विश्वसनीय स्वर

Tech Power – डिजिटल तकनीक का भविष्य-निर्माता

Strategic Pivot – एशिया की शक्ति-संतुलन धुरी

Economic Magnet – दुनिया का सबसे आकर्षक निवेश केंद्र

भारत को हटाकर कोई भी वैश्विक समाधान संभव नहीं।

मोदी के वक्तव्य का महत्व – भारत की सभ्यता का पुनर्जागरण

प्रधानमंत्री का यह संदेश न केवल अर्थव्यवस्था पर, बल्कि भारत की सभ्यता-सत्ता पर भी प्रभाव डालता है–

1. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

भारत अब औपनिवेशिक परिभाषाएँ स्वीकार करने वाला नहीं–अपनी वैचारिक राह स्वयं तय करने वाला राष्ट्र है।

2. राष्ट्रीय राजनीति में

युवा और मध्यम वर्ग में नया गर्व, नया आत्मविश्वास और नयी आकांक्षा जन्म लेती है।

3. अकादमिक दृष्टि से

'Hindu Growth Rate' जैसा कमजोर, असत्य और अपमानजनक शब्द अब इतिहास की फाइलों में बंद होगा।

4. मनोवैज्ञानिक तौर पर

भारत अब उस दौर से बाहर है जब उसे अपनी क्षमता साबित करनी पड़ती थी–

आज भारत कह रहा हैः हम केवल विकास नहीं करेंगे, हम दुनिया का नेतृत्व करेंगे।

मोदी–भारत की सभ्यता-शक्ति का वैश्विक रूपांतरण

नरेंद्र मोदी आज केवल प्रधानमंत्री नहीं–वे New India के ब्रांड एम्बेसडर हैं, विश्व-व्यवस्था के चेंज-मेकर हैं, और भारत की आत्मा को आधुनिक शक्ति में बदलने वाले युग-निर्माता नेता हैं।

'हिंदू विकास दर' का अंत–'भारत विकास मॉडल' का प्रारंभ

प्रधानमंत्री का सार-संदेश यही था–विकास किसी धर्म का उपहास नहीं; यह राष्ट्र की क्षमता, कर्तव्यबोध और नेतृत्व का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

कल तक दुनिया कहती थी–'India is a sleeping giant.'

आज वही विश्व स्वीकार कर रहा है–'India is unstoppable.'

भारत का क्षण–अब, यहीं और निर्णायक

जब विश्व बिखरा हुआ है, भारत जोड़ रहा है।

जब विश्व चिंतित है, भारत आत्मविश्वास से भरा है।

जब विश्व दिशाहीन है, भारत दिशा दिखा रहा है। और इस परिवर्तन के केंद्र में हैं– नरेंद्र मोदीः वह नेता, जो भारत की आत्मा को पहचाने भी हुए हैं और उसे वैश्विक शक्ति में रूपांतरित भी कर रहे हैं।

# ब्रिटिश फरमान, 'गॉड! सेव द क्वीन' का गुणगान, अंग्रेजों की नींद उड़ाने वाला वंदे मातरम क्यों ना बन सका राष्ट्रगान?

राजनीति में कुछ चीजें कभी पुरानी नहीं पड़ती है। आप उन्हें कभी भी कुरेद दो और सियासत शुरू हो जाती है। ऐसा ही हमारा राष्ट्र गीत वंदे मातरम है।आजादी से पहले भारतीयों को एक करने वाला ये गीत कई सालों से उन्हीं भारतीयों को बांटने के लिए काम में लिया जा रहा है। 'वंदे मातरम' को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर उबाल आ गया है। संसद के विशेष सत्र में राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर लोकसभा में चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने अपना संबोधन भी दिया। वहीं 9 दिसंबर को राज्यसभा में भी ऐसी ही एक लंबी चर्चा की योजना है, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह बोलेंगे।

साल 1870 के दशक में ब्रिटिश हकूमत ने एक तुगलकी फरमान जारी किया। उन्होंने सरकारी समारोहों में 'गॉड! सेव द क्वीन' गीत गाया जाना अनिवार्य कर दिया था। उस वक्त ब्रिटिश प्रशासनिक सेवा में कई भारतीय अधिकारी भी थे। फरमान बंगाल की जमीन से ही आया था, इसलिए वहां इसे लेकर काफी सख्ती थी। यह बात सबसे अधिक नागवार गुजरी एक डिप्टी कलक्टर को, जो भारतीय था। अंग्रेजों के इसी आदेश और अनिवार्यता क्षुब्ध वह कलेक्टर उस रोज दफ्तर से निकल आया। सियालदह से ट्रेन ली और नैहाटी पहुंचने तक का सफर इन्ही विचारों से भरा रहा। रेलयात्रा के दौरान उमड़-घुमड़कर आते तमाम विचार शब्द बन गए और कागज-कलम का साथ पाते ही गीत के रूप में उभर आए।

19वीं सदी में बंगाल के सबसे जानी मानी हस्तियों में से एक बंकिम चंद्र चटर्जी ने एक बहुचर्चित उपन्यास आनंदमठ लिखा। वैसे तो यह उपन्यास 1882 में किताब का शक्ल ले सका। लेकिन बंकिम चंद्र चटर्जी ने इसे 1881 से ही अपनी मासिक पत्रिका वंग दर्शन में एक धारावाहिक के तौर पर छापना शुरू कर दिया था। इस उपन्यास का मूल कथानक सन्यासियों के एक समूह पर फोकस था। जो अपनी मातृभूमि के लिए अपनी जिंदगी समर्पित कर देते हैं और ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंकते हैं। आनंद मठ में यह सन्यासी अपनी मातृभूमि को एकदेवी की तरह पूजते हैं और उसकी पूजा के लिए एक गीत गाते हैं। वंदे मातरम जिसमें मातृभूमि को मां दुर्गा की तरह चित्रित किया जाता है। बंकिम चंद्र चटर्जी का लिखा यह उपन्यास खूब पॉपुलर होता है। 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर के स्वर में पहली बार वंदे मातरम की सार्वजनिक प्रस्तुति होती है और फिर जल्द ही यह गीत आजादी के आंदोलन में जोश भरने का काम करने लगता है। साल 1905 में बंगाल विभाजन का विरोध कर रहा हर एक आंदोलनकारी यही गीत गा रहा होता है।

बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखा यह गीत धीरे-धीरे पूरे देश तक फैल जाता है और अंग्रेजों के मुखालिफत का सिंबल बनता है। ऐसे में साल 1907 में अंग्रेज वंदे मातरम पर बैन लगा देते हैं। लेकिन वंदे मातरम का असल विरोध करता है मुस्लिम लीग। अंग्रेज कांग्रेस को तोड़ने के लिए बांटो और राज करो की नीति अपनाते हैं। हिंदू मुस्लिम में फूट डालकर आपस में लड़वाने की कोशिश करते हैं। जिसका उन्हें फायदा भी मिलता है और साल 1909 में अमृतसर में हुए कांग्रेस अधिवेशन में मुस्लिम लीग वंदे मातरम का ही विरोध करने लगती है। जर्मनी में तिरंगा फहराया जिस पर वंदे मातरम लिखा था। 17 अगस्त 1909 को जब मदन लाल ढींगरा को विलियम हर्ट कर्जन के मर्डर के इल्जाम में फांसी दी गई तो उनके आखिरी शब्द थे वंदे मातरम। आगे चलकर वंदे मातरम को लेकर मतभेद

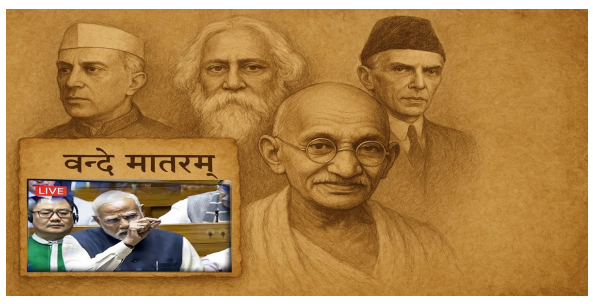


और विरोध भी सामने आने लगे। धीरे-धीरे राजनीति इस पर शुरू हुई। 1920 में बंगाली मैगज़ीन इस्लाम दर्शन में वंदे मातरम को मूर्ति पूजा का रूप बताया गया। 1928 में शरीयत इस्लाम मैगजीन में कहा गया कि वंदे मातरम मुसलमानों के लिए हराम है।

1930 का दशक तब खत्म होने को था। कांग्रेस और मुस्लिम लीग के रिश्तों में लगातार दूरियां बढ़ रही थी। इसी दौर में वंदे मातरम गीत विवादों के केंद्र में आ गया। मुस्लिम लीग के एक बड़े तबके में वंदे मातरम के खिलाफ नाराजगी इतनी गहरी हो चुकी थी कि सीधे मोहम्मद अली जिन्ना इसमें कूद पड़े। जिन्ना की निजी डायरी में 1938 के कुछ नोट्स मिलते हैं। ये नोट्स उन्होंने जवाहरलाल नेहरू से होने वाली बातचीत के लिए तैयार किए थे। इन नोट्स के सबसे ऊपर तीन लाइनें लिखी थी। मुस्लिम मास कांटेक्ट मस्ट सीज, वंदे मातरम मस्ट गो, नेशनल फ्लैग मस्ट गो। संदेश साफ था कि मुसलमान वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में नहीं मानेंगे। चाहे उसका बदला हुआ वर्जन ही क्यों ना हो।

वंदे मातरम को लेकर गांधी जी का स्टैंड समय के साथ बदलता रहा है। पहले उनकी राय अलग थी। 1905 से 1915 के बीच गांधी वंदे मातरम के बड़े प्रशंसक थे। उन्होंने इसे देशभक्ति से बड़ा गाना बताया। 1905 में उन्होंने अपने अखबार इंडियन ओपिनियन में लिखा कि हमारा राष्ट्रीय गान बन गया है। 1915 में उन्होंने कहा कि बहुत ही खूबसूरती से कवि ने भारत माता को दर्शाया है। 1940 का दशक आते-आते गांधी का नजरिया वंदे मातरम को लेकर के डिफेंसिव हो गया। महात्मा गांधी ने अपने अखबार हरिजन में लिखा कि वह वंदे मातरम को राष्ट्रभावना से जोड़कर देखते हैं। उन्होंने माना कि वंदे मातरम उन्हें गहराई तक छूता है। पर उन्हें कभी ऐसा नहीं लगा कि यह सिर्फ हिंदुओं के लिए है।

भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी राष्ट्रगान बनाने की बात कही जा रही थी। लेकिन उसे राष्ट्रीय गीत बनाया गया। जिसके पीछे ये तर्क दिया गया कि इसकी चार लाइन ही देश को समर्पित हैं। बाद की लाइने बंगाली भाषा में हैं और मां दुर्गा की स्तुति की गई है। किसी भी ऐसे गीत को राष्ट्रगान बनाना उचित नहीं समझा गया जिसमें देश का न होकर किसी देवी-देवता का जिक्र हो। इसलिए वंदे मातरम को राष्ट्रगान ना बनाकर राष्ट्रगीत बनाया गया।

# पुतिन की भारत यात्रा : नयी विश्व राजनीति की आहट

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा एक साधारण कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के सात दशकों में बुनी एवं गढ़ी गई मित्रता का नवीन उद्घोष है। कहा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र और शत्रु नहीं, स्थायी हित होते हैं, किंतु भारत-रूस संबंध इस कथन की परिधि से आगे जाकर स्थायी भरोसे, नैतिक दायित्व और पारस्परिक सम्मान के प्रतीक बने हुए हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका, यूरोप एवं नाटो गठबंधन रूस पर कठोर आर्थिक और रणनीतिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इसके बावजूद भारत ने रूस को न केवल कूटनीतिक स्तर पर सम्मान-साथ दिया बल्कि ऊर्जा व रक्षा क्षेत्र में उसे सबसे भरोसेमंद साझेदार माना। इसलिए यह वार्ता केवल दो नेताओं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात नहीं, बल्कि एक नए युग के सूत्रपात का संकेत है, नयी विश्व राजनीतिक समीकरण की आहट है।

भारत और रूस की मित्रता का इतिहास लगभग 70 वर्षों का है। शीतयुद्ध काल में रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से लेकर पोखरण परमाणु परीक्षणों तक, रूस ने भारत का साथ दिया। आज जब यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति को ध्रुवीकृत कर दिया है, अमेरिका ने भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव बनाया, किंतु भारत ने सामरिक स्वायत्तता की नीति को बनाए रखते हुए रूस का साथ निभाया। पश्चिम के प्रतिबंधों के बीच भारत ने भारी मात्रा में रूसी पेट्रोलियम और गैस खरीदकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की तथा रूस को आर्थिक सहारा दिया। यह निर्णय महज एक वाणिज्यिक लाभ का मामला नहीं था, बल्कि भारतीय विदेश नीति की स्वयंभूता का प्रदर्शन था। दूसरी ओर, रूस ने भी भारत को कभी निराश नहीं किया। चाहे एस-400 वायु रक्षा प्रणाली हो, टी-90 टैंक हों, ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना हो या पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुखोई-57 से जुड़ा सहयोग, भारत की सैन्य क्षमता में रूस का योगदान निर्णायक रहा है। वहीं पाकिस्तान की शत्रुता के खिलाफ भारत के हितों को रूस का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता रहा। हाल ही में दक्षिण एशिया की बदलती सुरक्षा परिस्थितियों में रूस ने भारत की सामरिक चिंता को समझा और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों में सहयोग की भूमिका निभाई। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों की गहराई और विश्वास को दर्शाता है।

पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हो रही है, जब वैश्विक शक्ति-संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका-चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। पुतिन भारत को न केवल रक्षा सहयोगी मानते हैं, बल्कि एशियाई भू-राजनीति में संतुलन का स्तंभ भी। वहीं मोदी की विदेश नीति बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें रूस का स्थान केंद्रीय है। इस यात्रा से ऊर्जा सहयोग और बढ़ेगा। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और रूस उसके लिए सस्ता, विश्वसनीय तथा दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता। प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने भारत को कच्चे तेल के साथ ही कोयला, गैस और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग दिया। भारत को सस्ती ऊर्जा देने के पीछे केवल व्यावसायिक हित नहीं बल्कि मित्रता और सामरिक साझेदारी भी निहित है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग और विस्तृत होने की उम्मीद है। भारत का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' रक्षा उत्पादन है और रूस इसके लिए सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। ब्रह्मोस मिसाइल, राइफल निर्माण, स्पेयर पार्ट सप्लाई और संयुक्त विकास कार्यक्रमों के नए विकल्प वार्ता में उभरेंगे। रूस भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, निर्माता के रूप में स्थापित करने में सहभागी है, जो संबंधों की परिपक्वता को दर्शाता है।

भारत-रूस दोस्ती अब एक नया अध्याय लिखने को तत्पर है। दोनों देशों की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है, यहां तक की अमेरिका के साथ बेहतर हुए संबंधों के दौर में भी रूस हमारा विश्वस्त साझीदार बना रहा है, प्रगाढ़ दोस्ती में कोई फर्क नहीं पड़ा है। अब रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों की दोस्ती में नई गरमाहट की संभावना के साथ दोस्ती के नये स्वस्तिक उकेरने की बात सामने आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है, लेकिन रूस के साथ देश के दशकों पुराने रक्षा संबंध भी बरकरार हैं। भारत ने अमेरिका और यूरोप से हथियारों की खरीद बढ़ाकर रूस पर निर्भरता को संतुलित बनाया है, लेकिन मॉस्को अभी भी भारत का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। रूस दोस्ती की ओर आगे बढ़ते हुए भारत के लोगों को रोजगार देने के लिये भी एक समझौता मसौदा तैयार किया है। रूस अपने उद्योगों के लिए 10 लाख भारतीय कुशल श्रमिकों को काम पर रखना चाहता है।

भारत-रूस संबंधों का सबसे मजबूत आधार है-कूटनीतिक विश्वास और सम्मान। रूस ने कभी भारतीय आंतरिक राजनीति या नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया। उसने कश्मीर, परमाणु नीति, रणनीतिक साझेदारी और पड़ोसी विवादों पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया। वहीं भारत ने भी रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझा,चाहे नाटो विस्तार का मुद्दा हो या यूक्रेन का संघर्ष। इसलिए भारत ने पश्चिमी दबावों की उपेक्षा करते हुए संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा के क्षेत्र में भी रूस की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में रूस सहयोगी रहा है और भविष्य की यात्री-वाहक मिशनों में भी सहयोग की संभावनाएँ हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी भी विशेष हैरू योग, आयुर्वेद, साहित्य, रूसी नाट्यकला और भारतीय कलाकृसबने एक-दूसरे समाज में स्थान पाया। फिर भी यह संबंध चुनौतियों से खाली नहीं। चीन-रूस साझेदारी और भारत-अमेरिका निकटता के बीच संतुलन बनाए रखना दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण है। रूस चाहता है कि एशिया में भारत संतुलक भूमिका निभाए, वहीं भारत नहीं चाहता कि रूस का झुकाव चीन की ओर अत्यधिक बढ़े। इसी प्रकार रक्षा सहयोग में तकनीक हस्तांतरण, उत्पादन विलंब और आर्थिक भुगतान व्यवस्थाओं पर भी मतभेद रहे हैं। किंतु इन मतभेदों को वार्ता द्वारा समाधान के प्रयास दोनों राष्ट्रों की परिपक्वता को दर्शाते हैं।

पुतिन की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है कि यह बताती है कि भारत किसी वैश्विक शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर संबंध तय करता है। ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता, बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था और एशियाई सामरिक संतुलन की दृष्टि से भारत-रूस साझेदारी अपरिहार्य है। मोदी और पुतिन की मुलाकात इस विश्वास की प्रमाणिकता है कि संबंध केवल शीत युद्ध की स्मृतियों पर नहीं, बल्कि समकालीन हितों और भविष्य की रणनीति पर आधारित हैं। यह यात्रा एक प्रतीक है-स्वतंत्र विदेश नीति, सामरिक साझेदारी और सांस्कृतिक सम्मान की। भारत-रूस संबंध केवल दो राष्ट्रों की निकटता का परिचय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक विशिष्ट वैकल्पिक शक्ति संरचना का निर्माण है। पश्चिमी देशों की आलोचना और प्रतिबंधों के बावजूद भारत और रूस ने अपने संबंधों को न केवल जीवित रखा बल्कि सुदृढ़ किया।

इस मुलाकात से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नई गति मिलेगी, रक्षा उत्पादन को स्वदेशीकरण का बल मिलेगा, व्यापार एवं तकनीकी सहयोग विस्तृत होगा और रणनीतिक विश्वास की डोर और मजबूत होगी। पुतिन और मोदी की यह वार्ता बताती है कि भूराजनीति केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि भरोसे और सहयोग पर भी टिकती है। अतः कहा जा सकता है कि पुतिन की भारत यात्रा एक नई ऊर्जा, नए दृष्टिकोण और नई साझेदारियों की शुरुआत है-जहाँ भारत और रूस न केवल मित्र हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर संतुलित, स्वाधीन और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माता भी हैं। यह यात्रा उसी निर्माण का नवीन अध्याय है, जिसमें पुराने भरोसे से जन्म ले रहा है एक नया भविष्य।

# महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाया गया जागरुकता अभियान

भदोही। महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे 'मिशन शक्ति' अभियान फेज-5.0 के तहत जनपदीय पुलिस अधिकारी, महिला बीट आरक्षी/एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं नए आपराधिक कानून, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों, साइबर अपराधों के प्रति तथा शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारें में जानकारी प्रदान कर किया जा रहा जागरुक।

'मिशन शक्ति' अभियान फेज-5.0के तहत अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल जनपद भदोही के पर्यवेक्षण में जनपद में महिला बीट आरक्षी/एंटी रोमियों पुलिस टीम सहित पुलिस अधिकारीगण के माध्यम से क्षेत्र में भ्रमण कर प्रमुख चौराहों, कस्बों, बाजारों, मन्दिर, शापिंग मॉल, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों/कॉलेजों/कोचिंग संस्थानों, रेलवे स्टेशन, रोडवेज सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों व गांवों में जाकर बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0स्वानिधि योजना, पी0एम0सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा बाल विवाह, पाक्सो एक्ट, एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं ऑपरेशन मुक्ति के अंतर्गत बाल विवाह एवं बालश्रम तथा महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जा रहा है तथा छोटे-छोटे बच्चों को गुडटच-बैडटच के बारें में बताया गया और किसी भी समस्या के बारे में अपने अभिभावकों या पुलिस को अवश्य अवगत कराने के सुझाव दिये गये । सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट्फार्मों के सुरक्षित उपयोग एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से बरते जाने वाले विभिन्न एहतियात के बारें में, साइबर अपराधों एवं डिजिटल अरेस्ट के बारें में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर फ्रॉड की घटना घटित होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करने व उसके द्वारा बताए गए निर्देशों का पालन करें। अपनी जन्मतिथि, नाम, मोबाइल नंबर, आदि का इस्तेमाल कभी भी पासवर्ड बनाने में ना करें, एक ही पासवर्ड का प्रयोग विभिन्न सेवाओं वेबसाइट और ऐप में ना करें, अनजान व्यक्तियों से प्राप्त वीडियो कॉल को रिसीव ना करें, अपने निजी और बैंकिंग डिटेल्स को किसी के साथ फोन या ईमेल पर एसएमएस के जरिए शेयर ना करें, फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल करने से बचें तथा शॉपिंग और बैंकिंग के लिए इसका इस्तेमाल कदापि न करें। साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नम्बर-1930 सहित विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों यथा- 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया ।

## पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना सुरियावां के मिशन शक्ति केंद्र का किया गया निरीक्षण

### निरीक्षण के दौरान संबंधित रजिस्टरों को चेक करते हुए दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा थाना सुरियावां के मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर संबंधित रजिस्टरों को चेक किया गया। जिसमें महिला हेल्प डेस्क, महिला बीट अधिकारियों, महिला हेल्पलाइन नंबर (1090, 181, 112) की कार्यप्रणाली तथा आने वाली महिला शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय ने संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया कि मिशन शक्ति 5.0के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन से जुड़ी योजनाओं को और प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तथा प्रत्येक महिला फरियादी की शिकायत को संवेदनशीलता से लिया जाय और पीड़ित महिलाओं का बेहतर काउंसिलिंग किया जाए एवं प्राथमिकता के आधार पर उनकी समस्याओं को निस्तारित किया जाए।

## बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भदोही। ज्योति बाल विद्यामंदिर इण्टर कालेज पीपर गॉव में मिशन शक्ति 5ण्0 के अंतर्गत बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला शक्ति केंद्र द्वारा कार्यक्रम में बाल विवाह की सामाजिक व कानूनी जटिलताओं पर विस्तार से जानकारी दी गई तथा बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन किया गयाएश्रीमती प्रियंका गुप्ता तथा रेशमा भारतीय द्वारा कहा कि किसी भी बच्चे काए चाहे वह लडका हो या लडकी कम उम्र में विवाह नही होना चाहिए। विवाह की कानूनी उम्र लड़कों की 21 वर्ष और लड़कियों की 18 वर्ष है । बाल विवाह न केवल बच्चों के भविष्य को प्रभावित करता हैए बल्कि यह कानूनन दंडनीय अपराध भी है। ऐसे मामलों की सूचना तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर देने की अपील की ए समय से पूर्व विवाह उनकी शिक्षाए स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास पर गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने बालकएबालिकाओं को अच्छी शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने का संदेश दिया। इसके साथ ही बालकध्बालिकाओं को बाल विवाह मुक्त भारत की शपत भी दिलाई गयी। महिला कल्याण विभाग द्वारा आम्रद मौर्या एंव बालक बालिकाए उपस्थित रहे!

## भटकी हुई मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को पुलिस ने घर पहुँचाया

भदोही। मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए भदोही पुलिस ने एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुँचाकर सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। घटना 06 दिसंबर की रात करीब 10 बजे की है, जब पीआरवी 7673 को सूचना मिली कि थाना औराई क्षेत्र के भगवानपुर गांव में एक आंशिक रूप से विचलित महिला भटक कर पहुंच गई है। सूचना मिलते ही पीआरवी टीम तत्काल मौके पर पहुँची और महिला को सुरक्षित मिशन शक्ति केंद्र, औराई ले जाया गया। वहां तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने धैर्यपूर्वक व सहजता से बातचीत कर उसके परिजनों का पता लगाया। महिला के परिजन ग्राम सागरपुर बवई, थाना सुरियावां निवासी हैं। वे तत्काल औराई आने में असमर्थ थे, ऐसे में पुलिस टीम ने स्वयं महिला को उसके घर पहुंचाकर परिजनों को सकुशल सुपुर्द कर दिया। महिला को सुरक्षित घर पहुंचाने की यह संवेदनशील पहल परिजन ही नहीं, बल्कि आमजनमानस द्वारा भी खूब सराही जा रही है। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक ने भी पुलिस टीम की तत्परता और मानवीय कार्य की सराहना की।

## एसपी द्वारा सुरियावां थाने का किया गया निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा थाना सुरियावा का किया गया निरीक्षण। के दौरान द्वारा विवेचना निस्तारण के संबंध में चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना सुरियावां की लंबित विवेचनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई तथा सभी विवेचकों को समयबद्ध निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही जनशिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जांच एवं विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

इसके अतिरिक्त अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण, वांछित अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी, आईजीआरएस व शिकायती प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण, मोबाइल रिकवरी, साइबर अपराधों एवं के सम्बन्ध में प्रभावी कार्यवाही करने हेतु स्पष्ट निर्देश दिये गये। रात्रि में चौराहों/तिराहों पर चेकिंग कराकर अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने तथा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों का भौतिक सत्यापन करने पर भी बल दिया गया।

पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी/क्रय-विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने, थाना के मालखाना के माल निस्तारण में गति लाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही शासन एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों तथा प्रचलित अभियानों के प्रभावी अनुपालन हेतु भी आवश्यक निर्देश प्रदान किये गये।

### 10 से 28 दिसंबर तक होगा राशन वितरण

## अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को मिलेगा निःशुल्क खाद्यान्न

भदोही। जिला पूर्ति अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि जनपद में अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को दिसंबर 2025 माह का खाद्यान्न तथा अक्टूबर दिसंबर 2025 तिमाही की चीनी का वितरण 10 से 28 दिसंबर, 2025 तक किया जाएगा। यह वितरण राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार सुनिश्चित किया जा रहा है। अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 किग्रा गेहूं, 21 किग्रा चावल, कुल 35 किग्रा खाद्यान्न निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा अक्टूबर, नवंबर व दिसंबर तिमाही के लिए 3 किग्रा चीनी 18 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से कुल 54 रुपये में प्रदान की जाएगी। पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को उनके कार्ड से संबद्ध प्रत्येक यूनिट पर 2 किग्रा गेहूं और 3 किग्रा चावल, कुल 5 किग्रा खाद्यान्न निःशुल्क दिया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर अपनी उचित दर की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अन्त्योदय कार्डों पर मिलने वाली चीनी के लिए पोर्टेबिलिटी की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी, इसलिए लाभार्थी अपनी मूल दुकान से ही चीनी प्राप्त करें।

## गोपीगंज में 'न्यू लाइफ मेडिकेयर क्लिनिक' का शुभारंभ

### ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी सुलभ व आधुनिक दिशा

गोपीगंज। ग्रामीण क्षेत्र को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने की दिशा में गोपीगंज में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए न्यू लाइफ मेडिकेयर क्लिनिक का भव्य उद्घाटन किया गया। हाजी कारी इमाम गुलाम मुर्तुजा ने नियाज़ के बाद फीता काटकर क्लिनिक का शुभारंभ किया। उद्घाटन के अवसर पर मुफ्त स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर लाभ उठाया। क्लिनिक का संचालन डॉ. सगूफा अख्तर बी.यू.एम.एस., जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली करेंगी, जो स्त्री रोग, जनरल फिज़िशियन एवं सर्जरी के क्षेत्र में अनुभव रखती हैं। उन्होंने बताया कि क्लिनिक का उद्देश्य ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आधुनिक, सुलभ तथा किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। कई महिलाओं ने कहा कि क्षेत्र में महिला चिकित्सक की उपलब्धता से उन्हें काफी सुविधा और राहत मिलेगी, क्योंकि परामर्श में अब झिझक नहीं होगी। स्थानीय लोगों ने क्लिनिक के संचालन को गोपीगंज की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए सकारात्मक कदम बताया। उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ. आशुतोष पांडे, डॉ. आर.के. बिंद, डॉ. विजय गौतम, डॉ. असलम अंसारी, डॉ. बदरूदजमा, डॉ. आशुतोष यादव, डॉ. नंदलाल, डॉ. आशीष गुप्ता, डॉ. शगुफ्ता अख्तर, डॉ. मुकेश, डॉ. स्वप्निल सिंह, माबूद खान, मोहम्मद सोनू समेत कई लोग मौजूद रहे।

## ज्ञानपुर रोड स्टेशन पर देर शाम बढ़ी भीड़, रेलवे पुलिस अलर्ट मोड में

गोपीगंज। रविवार की देर शाम गोपीगंज नगर स्थित ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर सामान्य दिनों की तुलना में अधिक भीड़ देखने को मिली। जनरल टिकट काउंटर पर लंबी कतारें लगी रहीं। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जीआरपी चौकी प्रभारी आनंद कुमार यादव अपनी पुलिस टीम के साथ पूरी तरह मुस्तैद रहे। साप्ताहिक ट्रेनों के चलते बढ़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने स्टेशन परिसर में अभियान चलाकर यात्रियों से पूछताछ की। विभूति एक्सप्रेस, पटना-सिकंदराबाद, हापा तथा उधना-दानापुर ट्रेनों में भी जांच की गई। संदिग्धों की पहचान के लिए हर यात्री से पूछताछ की गई, वहीं अनावश्यक रूप से घूमने वालों को चेतावनी दी गई और मनमानी पार्किंग करने वालों को वाहन स्टैंड में लगाने का निर्देश दिया गया।

### किसान मोर्चा ने किया विद्युत विभाग पर प्रदर्शन

# विधेयक रद्द करने सहित कई मांगों का ज्ञापन सौंपा

भदोही। अखिल भारतीय संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को बड़ी संख्या में किसानों ने विद्युत वितरण प्रखंड भदोही के अधिशासी अभियंता कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने बिजली व्यवस्था से जुड़े मुद्दों तथा नए विधेयकों के विरोध में अपनी मांगें उठाते हुए ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने विद्युत विधेयक 2025 को रद्द किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। उनका कहना था कि इस विधेयक से न तो उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा और न ही किसानों को, बल्कि बिजली महंगी होने से आम जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगी बिजली के कारण कई घरों में अंधेरा छा सकता है।

किसानों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में अन्य प्रमुख मांगें शामिल रहीं जिसमे स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया बंद की जाए, रबी फसल की सिंचाई के लिए बिजली आपूर्ति दिन में सुनिश्चित की जाए, पुराने एवं जर्जर तारों तथा खंभों को बदला जाए, बिजली विभाग के संविदा कर्मचारियों को स्थायी किया जाए, बीज विधेयक 2025 को रद्द किया जाए तथा खेती को कार्पोरेट नियंत्रण से मुक्त रखा जाए। किसान नेताओं ने कहा कि उनकी मांगें पूरी तरह जनहित से जुड़ी हैं और इन पर शीघ्र कार्रवाई आवश्यक है। प्रदर्शन के दौरान इंद्र देव पाल, जगन्नाथ मौर्या, अमृतलाल मौर्य, अमृत, रामचन्द्र पटेल, रामजीत यादव, केशव प्रसाद, ज्ञान प्रकाश प्रजापति, बनारसी सोनकर, हृदय लाल यादव, ज्वाला प्रसाद, सालिक राम यादव, सुशील कुमार श्रीवास्तव, श्रीराम बिंद, मिवाई लाल, सुशीला श्रीवास्तव, भूलाल पाल, सोहन सहित अनेक किसान उपस्थित रहे। किसानों ने चेताया कि यदि मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को आगे और तेज किया जाएगा।

## क्विज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट विद्यार्थियों ने चमकाया ब्लॉक का नाम

भदोही। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को नगर संसाधन केंद्र भदोही में खंड शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर आज़ाद की देखरेख में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों के विज्ञान विषय के चयनित 3-3 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

एक दिवसीय प्रतियोगिता में बहुविकल्पीय, लघु उत्तरीय तथा मौखिक प्रश्नों के जरिए विद्यार्थियों की प्रतिभा का मूल्यांकन किया गया। परिणामस्वरूप शनि प्रजापति सीएस हरियाँव और प्रगति मौर्या सीएस कुकरौठी ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से प्रिंस गौतम सीएस हरियाँव, गुनगुन मौर्या। सीएस रैमलपुर, गुड्डी पटेल सीएस कुकरौठी और गरिमा पटेल सीएस भिखारीपुर को मिला।

खंड शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर आज़ाद ने सभी विजेता छात्रों को ट्रॉफी, मेडल और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया।

उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर चयनित उत्कृष्ट छात्रों को जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभाग कराया जाएगा। साथ ही विभाग की ओर से 14 दिसंबर को शिक्षकों की देखरेख में सारनाथ शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में एआरपी सुरेश कुमार मौर्या, अखलाक अहमद, विनोद सिंह, मुकुल सिंह, मुकेश सिंह, शाहीन बानो, डाली सिंह एवं इमरान हसन का सराहनीय योगदान रहा।

## उपकेंद्र पाली बंद होने से 20 गांवों के 1200 किसान परेशान, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

भदोही। साधन सहकारी समिति ज्ञानपुर के उपकेंद्र पाली के बंद होने से क्षेत्र के लगभग 20 गांवों के करीब 1200 किसान भारी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। किसानों ने सोमवार को जिलाधिकारी भदोही को ज्ञापन सौंपकर उपकेंद्र को पुनः चालू कराने की मांग की।

किसानों ने बताया कि पाली उपकेंद्र वर्षों से न्याय पंचायत और वारी न्याय पंचायत के किसानों को खाद-बीज उपलब्ध कराता रहा है। लेकिन लंबे समय से उपकेंद्र बंद रहने के कारण किसानों को खाद समय से नहीं मिल पा रहा है, जिससे खेती प्रभावित हो रही है। किसानों को अब 15 किलोमीटर दूर अन्य केंद्रों से खाद लाना पड़ रहा है, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ गए हैं।

ज्ञापन में ग्राम सभा पाली द्वारा किसान सेवा सहकारी समिति के पक्ष में भूमि आवंटित होने का भी उल्लेख किया गया है। गाटा संख्या 398, रकबा 0.053 हेक्टेयर भूमि प्रस्तावित होने के बावजूद अभी तक समिति को भूमि का नामांतरण नहीं मिल सका है।

किसानों ने जिलाधिकारी से निवेदन किया कि उपकेंद्र पाली को तत्काल प्रभाव से पुनः चालू कराया जाए, ताकि क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को राहत मिल सके और उन्हें खाद-बीज के लिए भटकना न पड़े।

# औराई में मेथिल एसिड से भरा टैंकर पलटा, सड़क पर फैला केमिकल; फायर ब्रिगेड ने संभाला मोर्चा

औराई। महाराजगंज बाजार स्थित एचपी पंप के सामने मेथिल एसिड से लदा टैंकर अचानक पलट गया। टैंकर का अगला टायर फटने से वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ता हुआ दूसरी लेन पर जा गिरा। गनीमत रही कि हादसे के समय सड़क सुनसान थी, वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। चालक को हल्की चोटें आई हैं।

जानकारी के अनुसार उन्नाव से केमिकल लेकर कोलकाता जा रहा टैंकर सुबह करीब 5 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ। चालक अविनाश यादव, निवासी पसरिया बीघापुर, उन्नाव ने बताया कि अचानक आगे का टायर फटने से वाहन नियंत्रण खो बैठा और पलट गया।

सूचना पर क्षेत्राधिकारी औराई चमन सिंह चावड़ा तथा कोतवाल मनोज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। 112 पुलिस व नेशनल हाईवे क्रेन की सहायता से टैंकर को सीधा कराया गया।

हादसे के बाद सड़क पर मेथिल एसिड पानी की तरह फैल गया था, जिससे आग लगने का खतरा बढ़ गया। स्थिति को गंभीर देखते हुए फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने पूरे मार्ग को साफ कराया और केमिकल को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस द्वारा हाइड्रा की मदद से टैंकर को हटाकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया गया है। कोतवाल मनोज कुमार ने बताया कि टैंकर फुल लोड था, जिससे कुछ एसिड जमीन पर फैल गया था। एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र को कुछ समय के लिए खाली कराया गया। वाहन मालिक को भी घटना की सूचना दे दी गई है।

## रैपुरी गांव में विषाक्त पदार्थ से विवाहिता की मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

गोपीगंज। थाना गोपीगंज क्षेत्र के रैपुरी गांव में रविवार की रात विषाक्त पदार्थ सेवन से एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव निवासी सज्जन गौतम की पत्नी कविता गौतम (24 वर्ष) की रविवार रात हालत बिगड़ने पर उसकी मौत हो गई। सूचना पर सोमवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा। मृतका के एक माह की एक पुत्री भी है। मृतका के पिता शारदा प्रसाद गौतम, निवासी शिवसेवक पट्टी कोइरौना, ने आरोप लगाया कि वर्ष 2023 में उनकी बेटी का विवाह रैपुरी गांव निवासी हंसलाल गौतम के पुत्र सज्जन गौतम से हुआ था। शादी में दहेज स्वरूप एक बाइक व 51 हजार रुपये नकद दिया गया था। इसके बावजूद ससुराल पक्ष द्वारा अधिक दहेज की मांग को लेकर बेटी को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। पिता ने तहरीर में पति सज्जन, सास हिरावती, जेठ सुरेश, जेठानी रागिनी और ननद विंदू देवी पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है।

कोतवाल शैलेश कुमार राय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद दहेज उत्पीड़न व हत्या की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# भिवंडी में शिवसेना ठाकरे गुट को बड़ी मजबूती, भाजपा और शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने किया प्रवेश

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों की संभावित घोषणा से पहले भिवंडी की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना शिंदे गुट के कई पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) में प्रवेश कर लिया। इस घटनाक्रम को स्थानीय राजनीति में ठाकरे गुट के लिए बड़ी मजबूती के रूप में देखा जा रहा है।

भिवंडी स्थित शिवसेना के मुख्य कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के उपनेता विश्वास थले, ग्रामीण जिला प्रमुख कुंदन पाटील, लोकसभा सह संपर्क संगठक सोन्या पाटील और तालुका प्रमुख करसन ठाकरे के हाथों सभी नवनियुक्त कार्यकर्ताओं को मशाल चिन्ह वाला भगवा झंडा देकर पार्टी में शामिल कराया गया। पिंपलास जिला परिषद समूह से भाजपा के प्रकाश माली, जगदीश पताले और गीतांजलि पताले सहित कई पदाधिकारी शिवसेना ठाकरे गुट में शामिल हुए। वहीं शिंदे गुट से साईनाथ नागावकर, गणेश माली, दीपेश म्हस्के, मयूर म्हस्के, फुलाजी म्हस्के, बाबू काशीनाथ पाटिल, अनंत देहू म्हस्के, अशोक माली, दर्शन माली, सदाशिव माली, गणेश माली, अभिषेक म्हस्के, अनिल भोईर, संदीप पताले, श्रावण म्हस्के और अक्षय पाटिल ने भी शिवसेना ठाकरे गुट की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर उपनेता विश्वास थले ने कहा कि तालुका में शिवसेना ठाकरे गुट की ताकत लगातार बढ़ रही है और आगामी जिला परिषद चुनावों में इसका असर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि शिवसेना में लोग स्वेच्छा से जुड़ते हैं, जबकि अन्य दल लोगों को तोड़ने का काम करते हैं। निष्ठावान कार्यकर्ता शिवसेना के साथ मजबूती से खड़े रहते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, चुनाव से पहले हुए इस सामूहिक प्रवेश से भिवंडी की सियासी हवा बदलने के संकेत मिल रहे हैं और आने वाले दिनों में अन्य दलों में भी हलचल तेज हो सकती है।

# गोपाल कृष्ण मंदिर में मनाई गई गीता जयंती

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के मंडई स्थित गीता परिवार के साप्ताहिक बाल संस्कार वर्ग की ओर से गोपाल कृष्ण मंदिर में गीता जयंती उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों सहित लगभग 300 श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन के दौरान योग और गीता विषय पर बाल संस्कार वर्ग के बच्चों ने सुंदर प्रस्तुतियां दीं, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। इस अवसर पर इस वर्ष 15 बालकों और 13 वरिष्ठ साधकों ने श्रीमद्भागवत गीता के 12 और 15 अध्याय कंठस्थ कर विशेष उपलब्धि हासिल की। इन्हें गीता परिवार द्वारा प्रदत्त गीत गुंजन प्रमाणपत्र एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान गीता के 12वें, 15वें और 16वें अध्याय का सामूहिक पठन भी किया गया।वंदे मातरम को डेढ़ सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गीता परिवार भिवंडी समिति की ओर से वंदे मातरम का सामूहिक गान किया गया। अंत में गीता आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शीतल देशमुख उपस्थित रहीं।इस दौरान जानकारी दी गई कि गीता परिवार का साप्ताहिक बाल संस्कार वर्ग जागृति कलंत्री के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। इस केंद्र के माध्यम से बच्चों में ईश्वर भक्ति, श्रीमद्भागवत गीता का अध्ययन, भारत माता की आराधना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा स्वामी विवेकानंद द्वारा दिए गए पंचसूत्री पर आधारित संस्कार विकसित किए जाते हैं। केंद्र पर प्रत्येक त्योहार के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।गीता जयंती उत्सव 2025 को सफल बनाने में सचिन कलंत्री, जागृति कलंत्री, सुचेता थोरात, प्राची अग्रवाल, लीना राठी, स्नेहल बियानी, सीमा जाखेटिया, प्रमोद वडके, शैलेश परमार, महिंद्र माडकर, रामेश्वर काकानी, पुष्पा लाहोटी, कीर्ति बिरला और प्रेमा राठी सहित गीता परिवार समिति के कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

# भिवंडी मनपा में संत संताजी जगनाडे महाराज जयंती श्रद्धा पूर्वक मनाई गई

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगरपालिका में मंगलवार को संत संताजी जगनाडे महाराज की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के 18 फरवरी 2025 के परिपत्रक एवं मनपा के प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महानगरपालिका मुख्यालय के तल मंजिल पर आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके ने संत संताजी जगनाडे महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें अभिवादन किया। इस अवसर पर संत के विचारों और समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में उप आयुक्त (कर) बालकृष्ण क्षिरसागर, सहायक आयुक्त (निर्वाचन) नितीन पाटील, कर मूल्यांकन विभाग प्रमुख सुधीर गुरव, समाज कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसूले, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजेश पवार, मार्केट विभाग प्रमुख स्नेहल पुण्यार्थी, उद्यान विभाग प्रमुख निलेश संखे सहित मनपा के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# भिवंडी शहर में फेरीवालों को अस्थायी प्रमाणपत्रों का वितरण शुरू

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में फेरीवाला सर्वेक्षण का कार्य फिलहाल जारी है। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि फेरीवालों को अपने निर्धारित स्थान पर व्यवसाय करते समय किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें हटाए जाने की स्थिति न बने। इसी को ध्यान में रखते हुए भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका फेरीवालों को सम्मानपूर्वक आजीविका का अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है।

भिवंडी मनपा आयुक्त व प्रशासक अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निर्देशानुसार फेरीवालों को प्रमाणपत्र प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत दीनदयाल जन आजीविका योजना के अंतर्गत फेरीवालों को अस्थायी प्रमाणपत्रों का वितरण आज महानगरपालिका मुख्यालय में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे के हाथों किया गया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त शैलेश दोदे, समाजकल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसूले, संगणक विभाग प्रमुख मंदार जोशी तथा दीनदयाल जन आजीविका योजना की व्यवस्थापक एस्टर रायबोर्ड उपस्थित थे।अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे ने कहा कि फेरीवाला प्रमाणपत्र फेरीवालों के आत्मसम्मान से जुड़ा विषय है और उनके व्यवसाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रमाणपत्र के माध्यम से भविष्य में कई सरकारी लाभ प्राप्त हो सकेंगे। उन्होंने सभी फेरीवालों से सर्वेक्षण में भाग लेकर पंजीकरण कराने और प्रमाणपत्र हासिल करने की अपील की।उन्होंने आगे कहा कि फेरीवाला सर्वेक्षण शहर के नियोजित विकास के लिए बेहद आवश्यक है। शहर का विकास करते समय फेरीवालों को उपयुक्त स्थान पर व्यवसाय करने का अवसर मिलना चाहिए। उनके व्यवसाय में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए महानगरपालिका प्रशासन सतत प्रयास कर रहा है। प्रमाणपत्र वितरण इसी प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा है।फेरीवाला सर्वेक्षण के बाद मतदाता सूची तैयार की जाएगी और उसके पश्चात फेरीवालों के प्रतिनिधियों के चयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से फेरीवालों को बैंकों से ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने फेरीवालों से केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने का भी आह्वान किया। इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे ने फेरीवालों से अपील की कि वे सम्मानपूर्वक व्यवसाय करें और अपने कार्यस्थल के आसपास स्वच्छता बनाए रखें तथा महानगरपालिका को सहयोग प्रदान करें।

200 से अधिक कारखाने चोरी-छिपे संचालित

# भिवंडी में अवैध मोती कारखानों की भरमार, कार्रवाई को लेकर प्रशासन उदासीन

**टैक्स चोरी के साथ जानलेवा प्रदूषण फैलाने का आरोप**

भिवंडी। भिवंडी शहर और आसपास के इलाकों में बिना किसी वैध अनुमति के सैकड़ों की संख्या में अवैध मोती कारखाने धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। इन कारखानों में इस्तेमाल होने वाले अत्यंत खतरनाक रसायनों के कारण आए दिन आगजनी की घटनाएं हो रही हैं और इसका सीधा असर मजदूरों के साथ-साथ आसपास रहने वाले नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इतना ही नहीं, इन कारखानों के जरिए जीएसटी और इनकम टैक्स की खुलेआम चोरी कर सरकारी राजस्व को भी भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। बावजूद इसके प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। शहर के नवी बस्ती, शास्त्रीनगर, गैबीनगर, भारत कंपाउंड, खान कंपाउंड, नारायण कंपाउंड, सुभाषनगर, रावजीनगर, खदान रोड, फुलेनगर, पद्मानगर, शांतिनगर, बिलालनगर, आजादनगर, नागांव, नालापार, अजंता कंपाउंड, नारपोली समेत कई इलाकों में 200 से अधिक प्लास्टिक दानों से मोती बनाने वाले कारखाने चल रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में भी यह अवैध व्यवसाय तेजी से फैल चुका है। इन कारखानों में प्लास्टिक दाना और पाउडर से मशीनों के जरिए मोती तैयार किए जाते हैं, जिसके बाद उन्हें लोहे की डाई में खतरनाक रंगीन केमिकल से रंगा जाता है। मोती रंगाई में इस्तेमाल होने वाला यह रसायन स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक बताया जा रहा है। इसके बावजूद कारखाना मालिक बिना किसी सुरक्षा मानक के खुलेआम इन केमिकलों का उपयोग कर मोटी कमाई कर रहे हैं। इन कारखानों में काम करने वाले गरीब मजदूर रोज़ाना जहरीले धुएं और तापमान के बीच काम करने को मजबूर हैं। सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था न होने के कारण हादसों की आशंका बनी रहती है और कई बार जान भी चली जाती है। रंगाई के बाद निकलने वाला बदबूदार रासायनिक कचरा और भाप नालियों के जरिए बाहर छोड़ दी जाती है, जिससे आसपास का वातावरण जहरीला हो गया है। इसका सीधा असर क्षेत्र के बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों की शिकायतों के बावजूद प्रशासन केवल आश्वासन देकर मामले को टालता आ रहा है। इन कारखानों द्वारा न तो जीएसटी चुकाया जा रहा है और न ही इनकम टैक्स, इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है। कारखानों में इलेक्ट्रिक सेफ्टी के नियमों की भी खुलेआम अनदेखी की जा रही है, लेकिन ऊर्जा विभाग भी इस ओर कोई प्रभावी कदम नहीं उठा रहा है।

इन मोती कारखाना संचालकों द्वारा भिवंडी प्लास्टिक मोती एंटरप्राइजर्स वेलफेयर एसोसिएशन का गठन किया गया है। सामाजिक संगठन फोरम फॉर जस्टिस भिवंडी डिवीजन के सचिव कैलास कर्णकर ने बताया कि इस संस्था का पंजीकरण रद्द करने के लिए चैरिटी कमिश्नर, ठाणे को लिखित आवेदन दिया गया है। साथ ही भिवंडी मनपा और कल्याण स्थित महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से भी इन कारखानों को बंद कराने की मांग की गई है।

भिवंडी क्षेत्र के उप-क्षेत्रीय अधिकारी एस. एस. पाटिल के अनुसार, मनपा क्षेत्र में चलने वाले सभी उद्योगों को नागरिक चार्टर के अनुसार लाइसेंस लेना अनिवार्य है और इसके लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति जरूरी होती है, लेकिन भिवंडी में चल रही मोती फैक्ट्रियों ने अब तक प्रदूषण बोर्ड को कोई आवेदन नहीं किया है।

भिवंडी मनपा के प्रभारी पर्यावरण विभाग प्रमुख नितेश चौधरी ने बताया कि शहर में बड़ी संख्या में चल रही प्लास्टिक मोती निर्माण फैक्ट्रियों को मनपा की ओर से कोई लाइसेंस जारी नहीं किया गया है। इनसे हो रहे प्रदूषण को लेकर मिली शिकायतों की जानकारी कल्याण स्थित महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेज दी गई है।

दक्ष नागरिकों की? माने तो बढ़ते प्रदूषण, आगजनी की घटनाओं और स्वास्थ्य पर पड़ रहे बुरे प्रभाव के बीच अब भिवंडी में अवैध मोती कारखानों का मुद्दा गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है।

21 वर्ष बाद भी 'बे'बस थी मनपा,आर्थिक तंगी के कारण नहीं शुरू हो पा रही थी बस सेवा

# भिवंडी मनपा जल्द चलाएगी 100 इलेक्ट्रिक बसे, केंद्र सरकार से मिलेगी 75 छोटी व 25 बड़ी बसें

**650 करोड़ का बजट,15 लाख की जनसंख्या पर आय का श्रोत नगण्य,जनता को आवागमन में दिक्कत**

भिवंडी।भिवंडी नपा से मनपा में तब्दील हुए 23 वर्ष हो गए है।लेकिन 650 करोड़ की बजट वाली मनपा प्रशासन के पास आज भी खुद की एक भी बस नही है।लेकिन अब बहुत जल्द 'बे'बस मनपा बहुत जल्द खुद की 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने जा रही है।उक्त सभी बसें केंद्र सरकार की तरफ से मुफ्त में प्राप्त होने वाली है।इसके लिए मनपा प्रशासन को मात्र शहर में आधा दर्जन चार्जिंग स्टेशन बनाना पड़ेगा।जिसमें से तीन चार्जिंग स्टेशन का कार्य शुरू है। हालांकि मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने तीन शहरों को जोड़ने वाली बस सेवा को अमल में लाने की योजना पर काम शुरू किया है।उक्त बस सेवा शुरू होने से न सिर्फ मनपा की आय श्रोत में वृद्धि होगी बल्कि शहरवासियों को आवागमन में सुगमता बढ़ेगी। भिवंडी मनपा के पूर्व नगरसेवक अरुण राउत ने बताया कि 16 दिसंबर 2001 को भिवंडी नपा से मनपा में तब्दील हुई थी।मनपा का क्षेत्रफल 26.64 चौरस किमी है और मनपा का मौजूदा बजट 650 करोड़ से ज्यादा है।बावजूद इसके मनपा प्रशासन इतने वर्षो बाद भी शहरवासियों को खुद की बस सेवा उपलब्ध कराने में नाकाम व उदासीन रही है।उन्होंने बताया कि वर्ष 2001के में हुई जनगणना के अनुसार यहां की जनसंख्या 7 लाख 90 हजार है।लेकिन यहां मौजूदा समय में 15 लाख से ज्यादा लोग रहते है। शहरवासियों की सुविधा के लिए मनपा प्रशासन द्वारा समय समय पर महासभा में मनपा द्वारा खुद की बस सेवा शुरू करने के साथ ही जनता की सुविधा के लिए शहर में रिंग रोड बनाने की मांग उठती रही है। लेकिन मनपा की खस्ताहाल आर्थिक स्थिति व शहर में खराब सड़क के कारण इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।पूर्व नगरसेवक अरुण राउत ने बताया कि भिवंडी में लोकल ट्रेन की सुविधा न होने के कारण जनता के आवागमन का मुख्य साधन एसटी बस व रिक्शा,टैक्सी है।जिसके द्वारा यात्रा करने से यात्रियों का समय व पैसा दोनो बर्बाद हो रहा है।

**बस चलाने से बढ़ेगी मनपा की आय,नही होगा प्रदूषण**

भिवंडी मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने बताया कि मनपा प्रशासन अपनी खुद की 100 इलेक्ट्रिक बसे चलाने जा रही है।इसके लिए केंद्र सरकार के परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित कर इसकी न सिर्फ मंजूरी प्राप्त कर ली है,बल्कि केंद्र सरकारी मनपा को सारी बसे मुफ्त में दे रही है और इसको चलाने के लिए मनपा बसों का चार्जिंग स्टेशन बनाने का कार्य शुरू कर दिया है।उन्होंने बताया कि भिवंडी मनपा प्रशासन खुद की बस चालू करने से न सिर्फ उसकी खराब आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा,बल्किआस पास की हर शहरों में भिवंडी की कनेक्टविटि भी बढ़ेगी। मनपा की बसें दूसरे शहरों में जाने से वहा आवागमन करने वाले नागरिकों,छात्रों व व्यवसाइयों को कम खर्च में यात्रा की सुगमता व समय दोनो बचाने लगता और मनपा की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आता था।प्रदूषण भी इससे नही होगा।

**तीन शहरों को जोड़ने वाली बस सेवा शुरु करने की योजना**

मनपा आयुक्त अनमोल सागर का कहना है कि शहर विकास के लिए बनाए गए डीपी प्लान में परिवहन सेवा को भी शामिल किया गया है। जिसके तहत भिवंडी व कल्याण सहित उल्हासनगर को मिलाकर एक समिति बनाकर बस सेवा शुरू करने की योजना है।जिसे राज्य सरकार से भी मंजूरी मिल चुकी है।अब कल्याण की तरह ही तीनो शहरों को बस सेवा उपलब्ध हो जायेगा। मनपा आयुक्त ने बताया कि शहर के नागांव, टेमघर और कोंबडपाड़ा में तीन चार्जिंग स्टेशनों को तैयार करने का काम शुरू है।ई-बस सेवा के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे में से 35इ कार्य पूरे हो चुके हैं। इसके बाद बस मार्गों की जानकारी दी जाएगी।

निर्माणाधीन चल रहे चार्जिंग स्टेशनों का क्षेत्रफल इस प्रकार हैः

नागांवः 5,363.50 वर्ग मीटर

टेमघरः 4,443.20 वर्ग मीटर

कोंबडपाड़ाः 5,000 वर्ग मीटर

कुल 100 ई-बसों में से 75 ई-बसें नौ मीटर लंबी होंगी और 25 ई-बसें बारह मीटर लंबी होंगी। भिवंडी मनपा आयुक्त ने बताया कि सिटी बस सेवा परियोजना केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त फंड से साकार हो रही है।जिसमें केंद्र सरकार का योगदान 60इ यानी 11.29 करोड़,जबकि राज्य सरकार का योगदानः 40इ यानी 7.53 करोड़ रहेगा।जबकि चार्जिंग स्टेशनों के लिएः 14.27 करोड़ अलग से मंजूर किए गए हैं।

भिवंडी अपराध शाखा की बड़ी कार्रवाई, साढ़े 16 लाख का प्रतिबंधित गुटखा जब्त

भिवंडी। भिवंडी में प्रतिबंधित गुटखा और सुगंधित सुपारी की अवैध बिक्री के खिलाफ अपराध शाखा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 16.51 लाख रुपये का माल जब्त किया है। शांतीनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में की गई इस कार्रवाई से तंबाकू माफियाओं में हड़कंप मच गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 5 दिसंबर की रात करीब 9 बजे अपराध शाखा पुलिस ने शांतीनगर क्षेत्र में मकसूद भाई बिल्डिंग स्थित दो मंजिला इमारत के गाला नंबर 1 और 4 में कार्रवाई की। यहां से 8 लाख 76 हजार 540 रुपये मूल्य का प्रतिबंधित गुटखा, सुगंधित पान मसाला और तंबाकू जब्त किया गया। इस मामले में आरोपी आबदान मोहम्मद अंसारी को गिरफ्तार किया गया है। इसी क्रम में उसी दिन 10 बजे इसी परिसर के बशर कॉम्प्लेक्स, गाला नंबर 4, मोहम्मदिया मस्जिद के पास, चादनी होटल के नजदीक, किदवई नगर, नागांव-2 परिसर में भी छापा मारा। इस दौरान गुल मोहम्मद सुफियान अहमद खान के कब्जे से 7 लाख 75 हजार 285 रुपये कीमत का प्रतिबंधित गुटखा बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 और भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है महाराष्ट्र सरकार द्वारा गुटखा, पान मसाला और सुगंधित तंबाकू की बिक्री पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद आरोपी चोरी-छिपे इनका भंडारण और बिक्री कर रहे थे। इस तरह की गतिविधियों से न केवल कानून का उल्लंघन हो रहा था, बल्कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा था,दोनों मामलों की जांच अपराध शाखा के पुलिस उप निरीक्षक रविंद्र बी. पाटिल कर रहे हैं। साथ ही पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थों की सप्लाई किन-किन इलाकों में की जा रही थी और इसके पीछे कौन-कौन से नेटवर्क सक्रिय हैं। लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों से साफ है कि पुलिस प्रतिबंधित गुटखा कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है।

# भिवंडी मनपा मतदाता सूचियों पर 1359 आपत्तियों , प्रशासन पस्त

भिवंडी।भिवंडी महानगरपालिका के आम चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग के निर्देशानुसार वार्ड संरचना और मसौदा मतदाता सूचियां तैयार की गई हैं। इन मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर त्रुटियां हैं और मनपा चुनाव विभाग में आपत्तियां दर्ज करने की निर्धारित अवधि में 1359 आपत्तियां दर्ज की गई है। अधिकांश आपत्तियां वार्डों के नामों को पास के वार्डों में डालने या वार्डों के नामों को कम करने से संबंधित हैं। वहीं, कई लोगों ने यह भी आपत्ति जताई है कि कई नाम दोहराए गए हैं। कुछ जगहों पर कुछ लोगों ने राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते जानबूझकर नाम कम करने का आरोप लगाया है। इसलिए मनपा चुनाव तंत्र के सामने 10 दिसंबर तक इन आपत्तियों की जांच कर संशोधित मतदाता सूचियां बनाने की चुनौती है। मनपा चुनाव विभाग के प्रमुख और सहायक आयुक्त, अजित महाडिक ने जानकारी दी है कि मनपा स्तर पर दर्ज की गई आपत्तियों की जांच कर, संबंधित बीट निरीक्षक, भूभाग लिपिक और बीएलओ की मदद से राज्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार आपत्ति उठाए गए नामों के संबंध में मौके पर जाकर स्थिति की जानकारी ली जाएगी।

### एआइएफएफ सुपर कप 2025-26

# पेनल्टी शूटआउट में एफसी गोवा की रोमांचक जीत, तीसरी बार खिताब जीता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एआइएफएफ सुपर कप 2025-26 के फाइनल में एफसी गोवा ने ईस्ट बंगाल एफसी को पेनल्टी शूटआउट में 6-5 से मात देकर रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। यह सुपर कप फाइनल का इतिहास बन गया क्योंकि यह पहला मौका था जब फाइनल तक मैच अतिरिक्त समय और पेनल्टी शूटआउट तक गया।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने गोल करने के कई मौके बनाए, लेकिन नियमित समय और अतिरिक्त समय में कोई भी टीम गोल करने में कामयाब नहीं हुई। एफसी गोवा के कप्तान और मोहम्मद बसिम राशिद ने अपने पेनल्टी मौके गंवाए, वहीं ईस्ट बंगाल के कप्तान सॉल क्रेस्पो, केविन सिबिले, मिगुएल फेरेरा और अनवर अली ने अपने पेनल्टी स्कोर किए।

सडन डेथ में उदांता कुमार और साहिल तवोरा ने अपने पेनल्टी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि ईस्ट बंगाल के हमीद अहदाद ने स्कोर किया, लेकिन पीवी विष्णु ने मौका गंवा दिया। इस तरह एफसी गोवा ने 6-5 से जीत दर्ज की।

फाइनल का खेल शुरू से ही रोमांचक रहा। घरेलू टीम फातोर्डा स्टेडियम में दर्शकों के प्रोत्साहन से उत्साहित थी। शुरुआती कुछ अवसरों में ईस्ट बंगाल की डिफेंस ने गोल को रोका। ईस्ट बंगाल ने धीरे-धीरे खेल में पकड़ बनाई और फेरेरा को 12वें मिनट में मौका दिया, लेकिन गोल नहीं हो सका। बिपिन सिंह ने फ्लैंक से खतरनाक क्रॉस किए, लेकिन गोवा की रक्षा मजबूत रही। गोवा ने बीच के ओवरों में उदांता और निम डोरजी तमांग को उतारकर पोजिशन मजबूत की।

पहले हाफ में महेश नोरम और बिपिन सिंह ने अच्छे मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं हो सका।

एक बार फिर अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने गोल बनाने की कोशिश की, लेकिन गोलकीपर प्रभसुखान सिंह गिल ने ईस्ट बंगाल के कई शॉट्स को रोक दिया। एफसी गोवा ने भी कई अवसर बनाए, जिसमें सिवेरियो का शॉट और डीजन ड्राजिक की हेडर गिल ने बचाए। आखिरकार मैच का निर्णय पेनल्टी शूटआउट पर आया। एफसी गोवा के खिलाड़ियों ने सटीक पेनल्टी के दम पर जीत हासिल की, जबकि ईस्ट बंगाल के एक खिलाड़ी ने पेनल्टी गंवाई। इस जीत के साथ एफसी गोवा ने तीसरी बार एआइएफएफ सुपर कप का खिताब अपने नाम किया।

# भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 आई में बुमराह का इस्तेमाल सावधानी से करना होगा : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच मंगलवार से कटक में शुरू होने वाली टी20 आई सीरीज टीम इंडिया के लिए वर्ल्ड कप तैयारी का एक अहम हिस्सा मानी जा रही है। इसी बीच पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने बताया है कि उनकी सबसे बड़ी दिलचस्पी इस बात में होगी कि भारतीय टीम जसप्रीत बुमराह के ओवरों का प्रबंधन कैसे करती है। इस साल टी20 आई में भारत ने बुमराह को मुख्य रूप से पावरप्ले में इस्तेमाल किया है, जिससे डेथ ओवर्स में उनका उपयोग सीमित हो जाता है। इसके साथ ही हार्दिक पांड्या की वापसी और अभिषेक शर्मा का फॉर्म भी चर्चा के बड़े मुद्दे हैं।

पार्थिव पटेल ने इस सीरीज को भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि टीम बुमराह का उपयोग किस तरह करती है, यह बड़ा निर्णायक पहलू होगा। उन्होंने कहा कि एशिया कप के बाद से भारत लगातार पावरप्ले में बुमराह के तीन ओवर इस्तेमाल कर रहा है। यही रणनीति ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी अपनाई गई थी। हालांकि, ऐसा करने

से डेथ ओवर्स के लिए केवल एक ही ओवर बचता है, जो आमतौर पर 19वां ओवर होता है। पटेल के अनुसार, यदि भारत पावरप्ले में बुमराह से तीन ओवर करवाता है, तो टीम को डेथ ओवर्स में अर्शदीप सिंह को ज्यादा जिम्मेदारी देनी होगी। उन्होंने साफ कहा कि बुमराह की क्षमता का अधिकतम उपयोग करने के लिए ओवर मैनेजमेंट बेहद सोच-समझकर करना होगा।

एशिया कप के दौरान लगी क्वाड्रिसेप्स चोट से उबरकर हार्दिक पांड्या की टीम में वापसी भारतीय टीम के लिए राहत लेकर आई है। पटेल ने कहा कि पंड्या की मौजूदगी भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियान का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर अपनी फॉर्म का सबूत दिया, और बैट-बॉल दोनों से टीम के लिए अहम योगदान दे सकते हैं। पटेल ने माना कि हार्दिक सिर्फ एक ऑलराउंडर ही नहीं, बल्कि एक मैच-विनर हैं, जिनकी मौजूदगी टीम को बैलेंस के साथ अनुभव भी देती है। उनका कहना है कि पंड्या वापस लय में दिखाई दे रहे हैं, और उनसे टीम को भारी उम्मीदें होंगी।

इस समय भारतीय टी20 आई टीम में सबसे ज्यादा चर्चित नामों में से एक है बाएं हाथ का ओपनर अभिषेक शर्मा। उन्होंने इस वर्ष सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 50 से अधिक की औसत और 249 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 304 रन बनाकर अपनी आक्रामक बल्लेबाज़ी का जलवा बनाए रखा है। बंगाल के खिलाफ उनकी 52 गेंदों पर 148 रन वाली पारी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। पार्थिव पटेल ने अभिषेक को 'सीजन का प्लेयर' बताते हुए कहा कि वे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत के सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी भी रहे। वर्तमान में वे दुनिया के नंबर एक टी20 आई बल्लेबाज हैं और साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज में भारत की सफलता काफी हद तक उनके टॉप-ऑर्डर प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।

# इंडिगो ने बिगाड़ा मूड? 800 अंक टूटा सेंसेक्स, डिफेंस शेयरों में भूचाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 8 दिसंबर को भारतीय शेयर बाजार में इंट्राडे ट्रेडिंग में भारी गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क सूचकांकों में लगभग 1इ की गिरावट दर्ज की गई, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में 2इ तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 800 अंक या लगभग 1इ की गिरावट के साथ 84, 875.59 के निचले स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 इंडेक्स 1इ की गिरावट के साथ 25, 892.25 के निचले स्तर पर आ गया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई क्योंकि बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में सत्र के दौरान 2इ से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के ?471 लाख करोड़ से घटकर ?464 लाख करोड़ से नीचे आ गया, जिससे निवेशकों को एक ही सत्र में ?7 लाख करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ। 9 दिसंबर से शुरू होने वाली अमेरिकी फेड की दो दिवसीय बैठक से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्राइम रिसर्च प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा कि आगामी एफओएमसी बैठक, अतिरिक्त मुद्रास्फीति आंकड़ों और साल के अंत में पोर्टफोलियो समायोजन से पहले निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा और स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंकों की भी इसी हफ्ते बैठक होने वाली है, हालाँकि फेड के बाहर किसी नीतिगत बदलाव की उम्मीद नहीं है।

शेयर बाजार में गिरावट के साथ हो रहे कारोबार के बीच संकट में फंसी इंडिगो एयरलाइन की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन का शेयर 9 फीसदी तक टूट गया. ये एयरलाइन स्टॉक अपने पिछले बंद 5, 367.50 रुपये के लेवल से टूटकर 5, 110 रुपये पर खुला और फिर सेंसेक्स-निफ्टी की तरह फिसलता ही चला गया।

### आरसीबी फैंस के लिए खुशखबरी : चिन्नास्वामी में आईपीएल मैच को लेकर सरकार का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने उन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि हालिया भगदड़ की घटना के बाद आईपीएल 2026 में आरसीबी के मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम से हटाए जा सकते हैं। उन्होंने पुष्टि की कि आने वाले सीजन में भी आईपीएल मुकाबले चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही खेले जाएंगे। शिवकुमार ने केएससीए चुनाव में वोट डालने के बाद मीडिया से कहा कि बेंगलुरु की क्रिकेट पहचान और चिन्नास्वामी का आईपीएल इतिहास किसी भी परिस्थिति में बदला नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार स्टेडियम में बड़े स्तर पर सुरक्षा सुधार, भीड़ प्रबंधन सिस्टम और कड़े नियामक मानकों को लागू करेगी।

आरसीबी की 2025 खिताबी जीत के बाद जश्न के दौरान मचे हंगामे और दुखद हादसे ने स्टेडियम की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े किए थे, जिसके बाद खबरें थीं कि आईपीएल मैचों को कहीं और शिफ्ट किया जा सकता है। हालांकि शिवकुमार की घोषणा के साथ यह स्पष्ट हो गया कि चिन्नास्वामी आईपीएल 2026 के लिए पूरी तरह सुरक्षित और तैयार होगा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि कर्नाटक सरकार भविष्य में एक नए और बड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण करने की योजना पर काम कर रही है, ताकि बढ़ती दर्शक संख्या को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और बेंगलुरु को विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित किया जा सके। केएससीए चुनावों के बीच आया यह बयान आरसीबी फैंस के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। चिन्नास्वामी को आईपीएल के सबसे रोमांचक, हाई-स्कोरिंग और ऊर्जावान स्टेडियमों में गिना जाता है, और किसी भी संभावित बदलाव से शहर के क्रिकेट प्रशंसकों में निराशा थी। शिवकुमार ने यह भी कहा कि कर्नाटक सरकार महिला क्रिकेट को मजबूत करने और महिला खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर प्रदान करने पर भी लगातार काम कर रही है।

# 26 लाख के प्लैट बेचे 50 लाख रुपए में ईडी जांच में सामने आया करोड़ों का घोटाला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) गुरुग्राम की ओशन सेवन बिल्डटेक और इसके प्रमोटर्स के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जल्द ही चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में है। यह पूरा मामला प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत बने फ्लैट्स की बिक्री में बड़े पैमाने पर हुई अनियमितताओं से जुड़ा है।

जांच एजेंसी के अनुसार कंपनी ने पीएमएवाई के फ्लैट्स को मनमाने कारणों से कैंसिल दिखाया लेकिन मूल खरीदारों को पैसे लौटाए बिना इन्हें 40-50 लाख रुपए में दोबारा बेच दिया। इन फ्लैट्स की सरकार द्वारा निर्धारित कीमत 26.5 लाख रुपए थी यानी कंपनी एक ही यूनिट से दोहरी कमाई करती रही।

ईडी की जांच में सामने आया कि रीसेल के दौरान भारी मात्रा में कैश लिया गया और इसे शेल कंपनियों के जरिए घूमाया गया। इस तरीके से कंपनी ने 222 करोड़ रुपए तक वसूलने का आरोप है। पार्किंग की बिक्री में भी कैश सिस्टम अपनाया गया और बैंक में न्यूनतम रकम ही दिखाई गई।

एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि गुरुग्राम, महाराष्ट्र और राजस्थान में कंपनी ने जांच की आहट मिलते ही संपत्तियां तेजी से बेचनी शुरू कर दीं ताकि कार्रवाई से बचा जा सके। ईडी का कहना है कि प्रमोटर स्वराज सिंह यादव की पत्नी अगस्त 2025 में अमेरिका चली गई थीं और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में रह रही थीं, जबकि बच्चे कनेक्टिकट में पढ़ाई कर रहे थे। पत्नी के नाम वाले बैंक खातों में संदिग्ध लेन-देन भी पाया गया है।

अदालत ने गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी और आरोपी को 14 दिन की ईडी कस्टडी के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एजेंसी जल्द ही अपनी चार्जशीट दाखिल कर सकती है। कंपनी की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

### मूडीज की चेतावनी, इंडिगो की उड़ान कैंसिलेशन से मुनाफे पर पड़ेगा असर, बीएसई ने भी मांगा जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा है कि इंडिगो की हालिया फ्लाइट कैंसिलेशन और ऑपरेशनल रुकावटें उसके क्रेडिट प्रोफाइल के लिए नकारात्मक संकेत हैं। एजेंसी के अनुसार, नई उड़ान ड्यूटी समय सीमाएँ (एफडीटीएल) नियमों की तैयारी में कमी से एयरलाइन को वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मूडीज ने स्पष्ट किया कि इंडिगो की मौजूदा बा3 रेटिंग स्थिर है लेकिन अगर यही स्थिति जारी रही तो वित्त वर्ष 2026 के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है। एजेंसी ने यह भी कहा कि नए नियमों की जानकारी कंपनी को एक साल पहले दी गई थी, इसके बावजूद क्रू प्लानिंग और रोस्टरिंग सिस्टम को समय पर दुरुस्त नहीं किया गया।

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने संसद में बताया कि इंडिगो ने 1 दिसंबर 2025 को हुई क्लैरिफिकेशन मीटिंग में एफडीटीएल नियमों को लेकर कोई चिंता नहीं जताई थी लेकिन मीटिंग के अगले ही दिन कंपनी ने बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिल करना शुरू कर दिया। मंत्री ने कहा कि एयरलाइन ने बैठक में बताया था कि उसके संचालन सामान्य रूप से चल रहे हैं।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने इंडिगो से स्पष्टीकरण मांगा है, जिसमें मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि डीजीसीए ने सीईओ पीटर एल्बर्स को कारण बताओ नोटिस के जवाब के लिए अतिरिक्त समय दिया है और देरी पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। इस खबर के बाद इंडिगो का शेयर 8.28इ गिरकर 4, 926.55 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का स्टॉक इस महीने अब तक 16.54इ टूट चुका है और नवंबर के आखिरी कारोबारी दिन के मुकाबले 976 रुपए फिसल गया है।

# सूर्यकुमार यादव का बड़ा बयान : घरेलू क्रिकेट इंटरनेशनल सफलता की असली कुंजी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 आई सीरीज की शुरुआत से पहले टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने स्पष्ट किया कि घरेलू क्रिकेट खेलना किसी भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के लिए सबसे मजबूत तैयारी का माध्यम है। टी20 वर्ल्ड कप 2025 से पहले होने वाली यह सीरीज भारत की अंतिम और बेहद अहम परीक्षा मानी जा रही है। स्काई, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद इस सीरीज में उतर रहे हैं। सूर्यकुमार मानते हैं कि घरेलू मंच खिलाड़ी को मैच फिट रहने और अपनी तकनीक निखारने का बेहतरीन मौका देता है।

सूर्यकुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ कहा कि जब खिलाड़ी इंटरनेशनल मैचों में व्यस्त नहीं होते, तब घरेलू क्रिकेट में लौटना बेहद आवश्यक है। उनके अनुसार घरेलू क्रिकेट का कड़ा वातावरण खिलाड़ी को चुनौती देता है और उसे गेम के साथ जुड़े रहने में मदद करता है। उन्होंने कहा, 'डोमेस्टिक क्रिकेट आपको आपकी जड़ों से जोड़ता है। वहां का मुकाबला कठिन होता है और वह आपको लगातार बेहतर बनने की प्रेरणा देता है।'

भारतीय टीम के कई खिलाड़ी हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलकर लौटे हैं। एसकेवाई का मानना है कि ऐसा अनुभव खिलाड़ियों को तेज़-तर्रार टी20 माहौल में ढलने में मदद करता है। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी टूर्नामेंट में उत्कृष्ट फॉर्म दिखा चुके हैं, जिसका फायदा टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिल सकता है।

सूर्यकुमार ने कहा कि घरेलू मैच खेलने के बाद जब खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतरता है, तो वह पहले से ही खेल की रफ्तार के अनुरूप तैयार होता है। उन्होंने कहा, 'डोमेस्टिक मैच आपको मानसिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनाते हैं। इंटरनेशनल मैच से पहले यह सबसे बेहतर तैयारी होती है।'

भारतीय टीम पिछले पांच-छह सीरीज से लगभग एक जैसी प्लेइंग कॉम्बिनेशन के साथ खेल रही है। सूर्यकुमार ने बताया कि आगामी दोनों सीरीज में भी टीम किसी बड़े बदलाव से बचना चाहती है। उनके अनुसार, 'हम वही क्रिकेट खेलना चाहते हैं जिसे हमने पिछले एक साल में मजबूत किया है। हमारी रणनीति साफ है और हम उसे बदलना नहीं चाहते।'

# सेबी ने मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत नकदी वाली शुद्ध संपत्ति की जरूरत होगी और स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा। नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना तथा व्यापार को आसान बनाना है।

बाजार नियामक सेबी ने तीन दिसंबर को जारी एक अधिसूचना में मर्चेंट बैंकर को एक ही कंपनी के अंतर्गत अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की गतिविधियां चलाने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दे दी है।

सेबी की अधिसूचना के मुताबिक, एक मर्चेंट बैंकर ऐसी गतिविधियां कर सकता है जो किसी अन्य वित्तीय क्षेत्र नियामक (एफएसआर) के दायरे में आती हैं। साथ ही सेबी या किसी अन्य वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के दायरे में नहीं आने वाली गतिविधियां शुल्क आधारित, गैर-निधि आधारित होनी चाहिए और वित्तीय सेवा क्षेत्र से संबंधित होनी चाहिए। यह निर्णय सेबी के निदेशक मंडल की दिसंबर, 2024 में हुई बैठक में गैर-विनियमित गतिविधियों को एक अलग कानूनी इकाई में स्थानांतरित करने की मंजूरी देने के बाद आया है।

# जल्द ओटीटी पर रिलीज हो रहा है 'फोर मोर शॉट्स' का फाइनल सीजन, शरारत और पागलपन से भरी है सीरीज

फोर मोर शॉट्स प्लीज!सीरीज का पहला सीजन साल 2019 में आया था जिसे काफी पसंद किया गया था। यह सीरीज इंटरनेशनल एमी-नॉमिनेटेड हो चुकी है। इसके तीन सीजन सीजन आ चुके हैं और अब चौथा सीजन रिलीज को तैयार है। लंबे इंतजार के बाद फोर मोर शॉट्स का फाइनल सीज़न आखिरकार तीन साल बाद रिलीज़ होने जा रहा है। दर्शक काफी समय से इसके आखिरी सीजन की इंतजार कर रहे थे। अब यह भी साफ हो गया है कि यह ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर किस तारीख से स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा। 5 दिसंबर को मेकर्स ने फोर मोर शॉट्स प्लीज के फाइनल सीजन की रिलीज डेट का एलान कर दिया है।

चौथे सीजन में भी सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगारू ने वापसी की है। इसके साथ ही इस सीरीज में प्रतीक स्मिता पाटिल, मिलिंद सोमन, राजीव सिद्धार्थ, लीजा रे और अंकुर राठी जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। फोर मोर शॉट्स प्लीज!वेब सीरीज को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 19 दिसंबर से स्ट्रीम होगी। यह सीरीज प्रितीश नंदी कम्युनिकेशंस ने बनाई है, जिसे रंगिता प्रितीश नंदी और इशिता प्रितीश नंदी ने क्रिएट किया है। फोर मोर शॉट्स प्लीज सीजन 4 का डायरेक्शन अरुणिमा शर्मा और नेहा पार्टी मत्यानी ने किया है। यह सीरीज अपने आखिरी पड़ाव पर है, वहीं हंगामा लेकर फोर मोर शॉट्स प्लीज लौट रही है। इस बार सीरीज में असली दोस्ती, बिन झिझक आजादी और औरतों की कशमश के इर्द-गिर्द घूमेगी। एक बार फिरसे इन चार लड़कियों का पागलपन और शरारत भरी चीजों से दर्शकों का दिल चुराएंगी। ट्रेवल गोल्स के साथ चारों की दोस्ती का टेस्ट किया जाएगा। इस बार सीरीज में फुल ड्रामा और सस्पेंस देखने को मिलेगा।

# लाइव कॉन्सर्ट के दौरान स्टेज पर कनिका कपूर संग शख्स ने की गंदी हरकत, वीडियो देखकर आ जाएगा गुस्सा

पॉपुलर सिंगर कनिका कपूर ने कई बेहतरीन गाने गाए है और लोगों का मनोरंजन किया है। उनकी प्यारी आवाज फैंस को बहुत पसंद आती है। कनिक कपूर एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं और इसकी वजह लाइफ कॉन्सर्ट में उनके साथ हुई बदसलूकी। दरअसल सिंगर के लाइव कॉन्सर्ट के दौरान एक शख्स ने ऐसी हरकत की है, जिसे देखकर किसी को भी गुस्सा आए जाए। सिंगर स्टेज पर परफॉर्म कर रही थीं तभी एक शख्स ने स्टेज पर उनके बदसलूकी की और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आइए देखते हैं कि कनिका कपूर के वीडियो में क्या है।

कनिका कपूर का एक वीडियो सामने आया है, जिसको देखकर किसी का खून खौल जाए। दरअसल, कनिका कपूर मे-गोंग फेस्टिवल के दौरान लाइव परफॉर्मेंस दे रही थीं और उनके तमाम चाहने वाले फैंस एंजॉय कर रहे थे। इस दौरान एक शख्स स्टेज पर चढ़ा और उनके साथ बदतमीजी

करने लगा। तभी मौके पर मौजूद सिक्योरिटी ने उस शख्स को स्टेज से नीचे उतारा। इसके बाद भी कनिका कपूर ने बिना रुके अपनी परफॉर्मेंस जारी रखी। सिंगर वीडियो वायरल होते ही लोग इस पर रिएक्शन दे रहे हैं। कनिका कपूर के फैंस इस तरह की हरकत से नाराज नजर आ रहे हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने इसे पब्लिसिटी स्टंट बताया और कहा है कि ये पहले से प्लानिंग में था।

सिंगर कनिका कपूर के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 'बेबी डॉल', 'जुगनी जी', 'चिट्टियां कलाइयां', 'कमली', 'देसी लुक' जैसे चर्चित गानों को अपनी आवाज दी है। लखनऊ की रहने वाली कनिका कपूर ने साल 2012 में मुंबई का रास्ता पकड़ा लिया था। इसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कनिका कपूर के गानों को सुनने के लिए फैंस एक्साइटेड रहते हैं।

# बाबरी मस्जिद के निर्माण के बीच दिल्ली में विहिप की बड़ी बैठक, बड़ा फैसला ले सकते हैं शंकराचार्य

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के एक विधायक हुमायूं कबीर के द्वारा बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने से विवाद बढ़ गया है। बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने के बीच विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने देश के शीर्ष संतों की एक आपात बैठक दिल्ली में बुलाई है। दिल्ली में 9-10 दिसंबर को होने वाली इस दो दिवसीय बैठक में देश के कुछ शंकराचार्यों के साथ लगभग 250 संत हिस्सा ले सकते हैं। बैठक में बाबरी मस्जिद के निर्माण के बाद की परिस्थितियों में बड़ा फैसला लिया जा सकता है। बैठक में सनातन धर्म के सभी शाखाओं-उपशाखाओं के संत हिस्सा लेंगे। इसमें विहिप के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार भी शामिल होंगे।

बाबरी मस्जिद का निर्माण अब केवल पश्चिम बंगाल का मामला नहीं रह गया है। हैदराबाद में भी एक नेता ने बाबरी के नाम से संग्रहालय बनवाने की बात कही है। कुछ मुस्लिम नेताओं ने देश की दूसरी जगहों पर भी बाबरी के नाम से मस्जिदें बनाने की बात कही है। इससे तनाव और अधिक बढ़ गया है। देश के हिंदू संतों को लगता है कि यह एक सोची-समझी साजिश के तहत किया जा रहा है और इसके कारण उन इलाकों में सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता है जहां मुसलमानों की आबादी ज्यादा है, लेकिन हिंदू अल्पसंख्यक हैं। हिंदू संत ऐसी परिस्थिति के बारे में विचार करते हुए एक प्रस्ताव पास कर

सकते हैं जिसे अमल में लाने का प्रयास किया जा सकता है।

**कौन होगा शामिल**

शीर्ष संतों की इस बड़ी बैठक में हिंदू धर्म की सभी शाखाओं-उपशाखाओं के बड़े संत हिस्सा ले सकते हैं। इसमें सनातनी विचारधारा के संत, आर्य समाज के संत, सिख-जैन समुदाय के संत, रविदासी और बौद्ध धर्म से जुड़े संत और विभिन्न अखाड़ों के संत शामिल होंगे। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज विशेष तौर पर इस बैठक में शामिल होने दिल्ली पहुंच रहे हैं। इसके अलावा अवधेशानंद गिरी जी महाराज, साध्वी रितंभरा, स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज और स्वामी विवेकानंद जी महाराज भी इस बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा विहिप के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार और संगठन के कुछ अन्य शीर्ष पदाधिकारी भी इस बैठक में हिस्सा लेंगे।

**सभी परिस्थितियों को देख विकल्प सुझाएंगे संत- विहिप**

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने अमर उजाला से कहा कि यह उनके केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की सामान्य बैठक है। इसमें इस समय देश में चल रही विभिन्न परिस्थितियों के बारे में विचार किया जाएगा। इसमें जनसंख्या असंतुलन के कारण विभिन्न क्षेत्रों में पैदा हो रही समस्या और युवाओं में बढ़ता नशा प्रमुख रहेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा देश में कुछ अन्य परिस्थितियों के बारे में भी विचार किया जा सकता है।

बाबरी मस्जिद की नींव रखने के सवाल पर विहिप नेता ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक वर्ग देश पर हमला करने वाले विदेशी हमलावर को अपना आदर्श मानता है, लेकिन इस भारत भूमि के भगवान राम को अपना आदर्श नहीं मानता। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्णय इस देश की सर्वोच्च अदालत ने सभी तथ्यों को देखते हुए दिया था। इस फैसले का पूरे देश को सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबर और बाबरी इस देश को कभी स्वीकार नहीं हो सकता। इसके पहले पश्चिम बंगाल में पांच लाख लोगों के द्वारा भगवत गीता का पाठ कराकर भी बाबरी मस्जिद निर्माण से जुड़े लोगों को एक संदेश देने की कोशिश की गई थी।

# सुदर्शन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 168 बच्चों को हुआ स्वर्णप्राशन - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज। सुदर्शन हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर त्रिवेणीपुरम, झूँसी एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर का आयोजन झंडु इमामी समूह के सौजन्य से दि. 11 नवम्बर को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर किया गया जिसमें नवजात शिशु से लेकर 16 वर्ष की आयु तक के 168 बच्चों को स्वर्ण विन्दु के रूप में स्वर्णप्राशन की खुराक दी गयी। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष, प्रो. (डॉ) जी एस तोमर ने स्वर्ण बिंदु के लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि स्वर्णप्राशन से बच्चों को दीर्घायु, ऊर्जा, मेधाशक्ति व रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ बाल्यावस्था में होने वाले सामान्य रोगों से भी लड़ने की शक्ति में भी वृद्धि होती है। आयुर्वेद में हज़ारों साल पहले कश्यप संहिता में इसका वर्णन मिलता है। स्वर्ण विन्दु पिलाने के आधा घण्टा पहले और आधा घण्टा बाद में कुछ भी खाने पीने को नहीं देना चाहिए।

स्वर्णप्राशन में प्रयुक्त औषधि विन्दु में 24 कैरट सोने से बनी स्वर्ण भस्म, शहद एवं ब्राह्मी घृत निर्दिष्ट अनुपात में मिश्रित किया जाता है। जिसे मंत्रोच्चार के साथ चिकित्सक द्वारा दिया जाता है। स्वर्णप्राशन पुष्य नक्षत्र के दिन और अधिक प्रभावी होता है। पुष्य का अर्थ पोषण करने वाला होता है। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में इस नक्षत्र को संरक्षण, संवर्धन और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। यह परम मंगलकारी एवं शुभ माना गया है। यह विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाव एवं इम्म्युनिटी बढ़ाने के लिये लाभदायक है। सुदर्शन आयुर्वेद केन्द्र के निदेशक राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि स्वर्ण प्राशन की यह खुराक विगत 3 वर्षों से प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के दिन बच्चों को निःशुल्क पिलाई जा रही है। इस पुनीत संस्कार हेतु वांछित औषधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु डॉ तोमर ने झंडु इमामी समूह का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन किया।

# यौन उत्पीड़न मामले में मलयालम एक्टर दिलीप बरी, एर्नाकुलम कोर्ट ने सुनाया फैसला

केरल की एक अदालत ने सोमवार को मलयालम अभिनेता दिलीप को 2017 के अभिनेता हमला मामले में निर्दोष पाया। अभियोजन पक्ष कथित आपराधिक साजिश में उनकी भूमिका साबित करने में विफल रहा। हालांकि, अदालत ने छह अन्य आरोपियों को आपराधिक साजिश, गलत तरीके से बंधक बनाने, शील भंग करने के लिए हमला, अपहरण, निर्वस्त्र करने का प्रयास और सामूहिक बलात्कार का दोषी ठहराया। एर्नाकुलम जिला एवं प्रधान सत्र न्यायाधीश हनी एम वर्गीस ने सुबह 11 बजे फैसला सुनाया।

फैसले के बाद, अभिनेता दिलीप ने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने पिछले नौ वर्षों में उनका समर्थन किया और आरोप लगाया कि उनके खिलाफ मामला एक आपराधिक साजिश से उपजा है, जिसकी ओर सबसे पहले उनकी पूर्व पत्नी, अभिनेता मंजू वारियर ने इशारा किया था। उन्होंने दावा किया कि बाद में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और एक टीम ने साजिश को 'लागू' किया, मुख्य आरोपी और उसके

सहयोगियों का उपयोग करके एक झूठी कहानी गढ़ी और इसे फैलाने के लिए मीडिया और सामाजिक प्लेटफार्मों का इस्तेमाल किया, उन्होंने कहा कि कथित प्रयास का उद्देश्य उनकी छवि और जीवन को नष्ट करना था, लेकिन अदालत में विफल रहा।

उन्होंने मुख्य अभियुक्त और उसके जेल साथियों के साथ मिलकर मेरे खिलाफ एक झूठी कहानी गढ़ी। उन्होंने कुछ मीडियाकर्मियों के साथ मिलकर इस झूठी कहानी को सोशल मीडिया पर फैलाया। लेकिन अदालत में यह झूठी कहानी धरी की धरी रह गई। असली साज़िश मेरे खिलाफ थी। इन लगभग नौ सालों में, समाज में मेरी छवि और मेरा जीवन ही बर्बाद हो गया।

# अमेरिकी एविएशन वकील ने कहा- FDR डेटा जारी हो, तभी सामने आएगा सच; पीड़ित परिवारों से भी मिले

अहमदाबाद। अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे के छह महीने बाद भी कई सवालों का जवाब अब तक सामने नहीं आया है। इसी बीच अमेरिका के एविएशन अटॉर्नी माइक एंड्रूज ने भारत सरकार से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर सार्वजनिक करने की मांग दोहराई है। एंड्रूज हादसे में मारे गए 130 से ज्यादा परिवारों के प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। एंड्रूज का कहना है कि डेटा जारी होने से जांच में पारदर्शिता आएगी और प्रभावित परिवार यह तय कर सकेंगे कि कानूनी तौर पर अगला कदम क्या होना चाहिए।

**अकेले बचे यात्री का बयान संदिग्ध**

माइक एंड्रूज ने इकलौते जीवित यात्री विश्वास कुमार रमेश के इंटरव्यू का हवाला देते हुए कहा कि क्रैश से ठीक पहले विमान के अंदर की लाइटें झपकी थीं और हरी हो गई थीं, जो यह संकेत देती हैं कि विमान ने मुख्य बिजली व्यवस्था से बैकअप सिस्टम में स्विच किया था। उनके मुताबिक यह गंभीर इलेक्ट्रिकल फॉल्ट की तरफ इशारा करता है।

**हम पारदर्शिता चाहते हैं- माइक एंड्रूज**

गुजरात में पीड़ित परिवारों से दोबारा मुलाकात करते हुए एंड्रूज ने कहा भारत सरकार FDR डेटा जारी करे। तभी हमारे विशेषज्ञ स्वतंत्र जांच कर पाएंगे। पीड़ित परिवारों का सबसे बड़ा अधिकार है पारदर्शिता। उन्होंने बताया कि कई बार बोइंग 787 में वॉटर लीकेज के कारण इलेक्ट्रिकल सिस्टम प्रभावित होने की घटनाएं सामने आई हैं। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि कहीं इसी वजह से तो यह हादसा नहीं हुआ।

**अमेरिका में भी डाली गई सूचना के अधिकार की अर्जी**

एंड्रूज ने बताया कि उन्होंने संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) से जानकारी पाने के लिए फ्रीडम ऑफ इनफार्मेशन एक्ट के तहत अपील की है, क्योंकि माना जा रहा है कि AAIB ने अपनी जांच का कुछ हिस्सा अमेरिका के अधिकारियों के साथ साझा किया है। अमेरिकी वकील अब आणंद, वडोदरा और मुंबई में उन परिवारों से मिलेंगे जिन्होंने कानूनी लड़ाई आगे बढ़ाने की सहमति दी है।

**हादसे की भयावहता**

गौतलब है कि 12 जून को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 (बोइंग 787-8) एक मेडिकल हॉस्टल कॉम्प्लेक्स से टकराकर आग की लपटों में घिर गई थी। इस दुर्घटना में 242 में से 241 लोग मारे गए, जमीन पर भी 19 लोगों की मौत हुई, सिर्फ एक यात्री विश्वास कुमार जीवित बचा।

# ट्रंप ने कहा- शांति प्रस्ताव पर ज़ेलेंस्की अभी तैयार नहीं, रूस ने दिखाई सहमति

कीव। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए पेश किए गए। ताज़ा प्रस्ताव पर रूस ने सहमति जताई है, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की अभी उसे पढ़कर निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं। बता दें कि ट्रंप ने यह टिप्पणी वाशिंगटन में आयोजित कैनेडी सेंटर ऑनर्स के रेड कार्पेट पर बातचीत के दौरान दी।

मौजूद जानकारी के अनुसार मियामी में तीन दिन चली वार्ताओं में अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ, जारेड कुश्नर और यूक्रेन के उच्च अधिकारियों ने भाग लिया। गौरतलब है कि इस दौरान क्षेत्रीय सीमाओं और भविष्य की सुरक्षा गारंटी को लेकर गंभीर मतभेद बने रहे। यूक्रेन का रुख अब भी साफ है कि किसी भी शांति समझौते के बदले उसे क्षेत्र छोड़ने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता और विश्वसनीय सुरक्षा आश्वासन उसके लिए अनिवार्य हैं।

वार्ता के बाद यूक्रेन की राजदूत ओल्गा स्तेफानिश्यना ने कहा कि बातचीत आगे

बढ़ी है, पर कई जटिल मुद्दों पर समाधान अभी दूर है. उन्होंने कहा कि इलाके को लेकर दावे और सुरक्षा ढांचे के प्रारूप अभी भी मुख्य चुनौती बने हुए हैं. इसी दौरान क्रेमलिन ने ट्रंप की नई अमेरिकी सुरक्षा नीति पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि इसमें रूस को खतरे के रूप में नहीं देखा गया है, जो भविष्य के संवाद के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। इधर ज़ेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने विटकॉफ और कुश्नर से लंबी और रचनात्मक चर्चा की है तथा शांति के विकल्पों पर आगे कदम तय किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि रूस द्वारा पिछले समझौतों को निभाने में असफलता को देखते हुए किसी भी शांतिपूर्ण समाधान को अंतिम रूप देने में सावधानी ज़रूरी है।

ज़ेलेंस्की सोमवार को फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के नेताओं से लंदन में मुलाकात करेंगे, जहां अमेरिकी मध्यस्थता के तहत चल रही शांति वार्ता की दिशा और सुरक्षा मॉडल पर आगे की चर्चा होगी। वर्तमान हालात में सभी पक्ष समाधान के लिए इच्छुक दिख रहे हैं, पर शर्तों और गारंटी के स्वरूप पर सहमति तक पहुँचना अब भी चुनौती बना हुआ है, जिसे वार्ता के अगले दौर में स्पष्ट करने की कोशिश जारी है।

# अमीर देशों का प्रदूषण गरीब देशों के लिए बना जानलेवा, भारत में हर साल 12000 मौतों का बनता है कारण

नई दिल्ली। वैश्विक पर्यावरणीय न्याय पर आधारित एक ताजे शोध ने यह चौंकाने वाला तथ्य सामने रखा है कि एक देश का प्रदूषण दूसरे देशों की आबादी के लिए जानलेवा बन चुका है। अध्ययन में पाया गया कि अमेरिका से उत्पन्न वायु प्रदूषण भारत में हर साल लगभग 12,000 और चीन में 38,000 मौतों का कारण बनता है। इसी तरह यूरोपीयन यूनियन के 27 देशों के उत्सर्जन ने अमेज़न वर्षावन और दक्षिण-पूर्व अफ्रीका में चरम मौसमी घटनाओं के जोखिम को लगभग दोगुना कर दिया है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अंतर-राष्ट्रीय प्रभाव वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, वायु धाराओं के वैश्विक प्रवाह और जलवायु-गर्माहट की भौतिक प्रक्रियाओं से संचालित होता है।

हवाएं सीमाएं नहीं मानतीं इसलिए प्रदूषण राष्ट्रीय नहीं, वैश्विक संकट बन चुका है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वायुमंडलीय वैज्ञानिक प्रोफेसर डैनियल जेकब बताते हैं कि उत्तर अमेरिका से उठे प्रदूषण कण जेट-

स्ट्रीम के साथ एशिया तक पहुंचते हैं, वहीं यूरोप से निकलने वाले प्रदूषक अमेजन बेसिन तथा अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों तक पहुंच जाते हैं। हार्वर्ड टी.एच. चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं ने पाया कि औद्योगिक देशों से उठे महीन कण एशियाई मानसून से टकराकर भारत और चीन की घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जमा हो जाते हैं।

**सबसे कम प्रदूषण करने वाले देश सबसे ज्यादा पीड़ित**

अध्ययन यह भी रेखांकित करता है कि जिन गरीब और विकासशील देशों का वैश्विक उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है, वही प्रदूषणजनित आपदा का सबसे बड़ा बोझ झेल रहे हैं।दूसरी ओर अमीर और औद्योगिक देशों की उत्सर्जन-आधारित जीवनशैली पृथ्वी के पर्यावरण तंत्र पर असमान नियंत्रण बनाए हुए है। यूनिवर्सिटी ऑफ केप टाउन के क्लाइमेट जस्टिस विशेषज्ञ प्रोफेसर सिबुसिसो मापोलेला कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन कोई मौसम विज्ञान का संकट नहीं, बल्कि सत्ता, उपभोग और अन्याय का संरचनात्मक मॉडल है।

**संकट साझा है, पर जिम्मेदारी साझा नहीं**

शोध में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि पर्यावरण संकट साझा है लेकिन जिम्मेदारी समान नहीं है। अमीर देशों के उत्सर्जन से उत्पन्न आपदा का सबसे भारी दुष्प्रभाव उन देशों पर पड़ रहा है जिनकी इसमें लगभग कोई भूमिका नहीं।

# पुतिन के जाने के बाद अब जेलेंस्की क्यों आ रहे भारत? पीएम मोदी ऐसे खत्म कराएंगे जंग!

नई दिल्ली। हाल ही में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भारत का दौरा किया। जिसके बाद से ही कई तरह की चर्चाएं हो रही है। एक चर्चा रूस यूक्रेन युद्ध की भी हो रही है क्योंकि पीएम मोदी ने पुतिन के साथ बैठक में यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि भारत यूक्रेन युद्ध पर तठस्थ या न्यूट्रल नहीं है। हम लोग शांति के समर्थक हैं और चाहते हैं कि दुनिया शांति की राह पर लौटे। पीएम मोदी के इस बयान पर पुतिन ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। जिसके बाद से यह लगने लगा कि भारत ही वो देश है जो अब इस युद्ध को खत्म करा सकता है और इसका अब एक और बड़ा सिग्नल भी मिल गया है क्योंकि पुतिन के बाद अब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलस्की भी भारत दौरे पर आ रहे हैं। दुनिया को किसी भी झगड़े को सुलझाने के लिए दबाव वाली नीति नहीं बल्कि अब भारत की शांतिप्रिय नीति ही अच्छी लग रही है। आपने देखा होगा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने सरपंच बनकर कैसे रूस यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए दबाव वाली नीति को हथियार बनाया लेकिन बात नहीं बनी। ऐसे में रूस यूक्रेन ही नहीं बल्कि दुनिया को यह भरोसा है कि यह जंग सिर्फ और सिर्फ भारत ही रुकवा सकता है। और पीएम मोदी इस मुद्दे पर कैसे मजबूती के साथ काम कर रहे हैं, इसका बड़ा उदाहरण पुतिन के दौरे के दौरान भी देखने को मिला। पुतिन के साथ चर्चा में यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए पीएम मोदी ने कई बड़ी बातें कही।

# भारतीयों के साथ तमीज से रहो...चीन को विदेश मंत्रालय ने अलग अंदाज में समझा दिया, जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

नई दिल्ली।विदेश मंत्रालय ने सोमवार को चीन से 'आश्वासन' माँगा कि चीनी हवाई अड्डों से गुज़रने वाले भारतीय नागरिकों को 'चुनिंदा निशाना नहीं बनाया जाएगा, मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या परेशान नहीं किया जाएगा' और बीजिंग अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा को नियंत्रित करने वाले नियमों का सम्मान करेगा। साप्ताहिक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक यात्रा परामर्श भी जारी किया जिसमें चीन की यात्रा करने वाले या वहाँ से गुज़रने वाले भारतीयों को उचित विवेक का प्रयोग करने की चेतावनी दी गई। जायसवाल मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे, जब उनसे पूछा गया कि विदेश मंत्रालय चीन जाने वाले या वहां से होकर जाने वाले भारतीय नागरिकों के लिए क्या सिफारिश करता है। पिछले महीने अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला पेमा वांगजोम थोंगडोक को शंघाई हवाई अड्डे पर 18 घंटे तक रोके रखा गया था। चीनी अधिकारियों ने दावा किया था कि उनका भारतीय पासपोर्ट अवैध है, क्योंकि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है।

शंघाई हवाई अड्डे पर हुई हालिया घटना, जिसका आपने ज़िक्र किया है, के बाद हम आपकी चिंता से पूरी तरह सहमत हैं। हम उम्मीद करते हैं कि चीनी अधिकारी यह आश्वासन देंगे कि चीनी हवाई अड्डों से गुज़रने वाले भारतीय नागरिकों को चुनिंदा तौर पर निशाना नहीं बनाया जाएगा, मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या परेशान नहीं किया जाएगा और अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा को नियंत्रित करने वाले नियमों का चीनी पक्ष द्वारा सम्मान किया जाएगा। विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों को चीन की यात्रा करते या वहाँ से गुज़रते समय उचित विवेक का प्रयोग करने की सलाह देगा। थोंगडोक 21 नवंबर को लंदन से जापान जा रही थीं और शंघाई पुडोंग अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रुकी थीं। तभी चीनी आव्रजन अधिकारियों ने उनके भारतीय पासपोर्ट को अमान्य घोषित कर दिया और उनकी राष्ट्रीयता का मज़ाक उड़ाते हुए कहा कि अरुणाचल भारत का हिस्सा नहीं है।

इस घटना के बाद, भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों को दृढ़ता से खारिज कर दिया और कहा कि यह पूर्वोत्तर राज्य 'भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग' है। साथ ही, भारत ने यह भी कहा कि बीजिंग की ओर से किसी भी तरह का इनकार इस निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदल सकता। जायसवाल ने पिछले महीने एक अलग प्रेस वार्ता में थोंगडोक से जुड़ी घटना पर चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया था और हिरासत को 'मनमाना' बताया था। उन्होंने इस मामले पर भारत के दृढ़ रुख की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकार ने घटना के तुरंत बाद बीजिंग और नई दिल्ली, दोनों जगहों पर चीन को कड़ा विरोध पत्र जारी किया था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)